केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 163 सोमवार 6 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नौकरी छूट जाने से परेशान युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ (आभा)। इन्दिरानगर सेक्टर–19 में नौकरी छूट जाने से परेशान युवक ने फांसी लगा ली। शव फंदे से लटका देख पिता के होश उड़ गए। गाजीपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इन्दिरानगर सेक्टर–19 में प्रॉपर्टी डीलर श्रीनाथ यादव बेटे अमित यादव (25) के साथ रहते थे। पिता श्रीनाथ ने बताया कि बेटा अमित प्राइवेट नौकरी करता था। कुछ माह पहले उसकी नौकरी छूट गई थी। नौकरी छूटने के बाद से वह परेशान चल रहा था। शनिवार रात खाना खाने के बाद अमित अपने कमरे में सोने चला गया। वह बेटे को जगाने गए तो अमित पंखे से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटका हुआ था। आनन– फानन में उसे फंदे से उतारकर लोहिया अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अमित अविवाहित था। मां की कई वर्ष पहले मौत हो चुकी है। परिवार में एक बहन है। जिसकी शादी हो चुकी है। इंस्पेक्टर गाजीपुर विकास राय के मुताबिक कमरे से कोई सुसाइड सुसाइड नोट नहीं मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य मेले में 109 मरीजों का हुआ इलाज

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के पीएचसी तरहर, बिजौरा व सोहना में रविवार को जन अरोग्य स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। मेला में 109 मरीजों का इलाज कर दवा दी गई। मेले में खांसी, गैस्ट्राइटिस, एसिडिटी, पेट दर्द, फंगस संक्रमण व जोड़ों में दर्द आदि के मरीजों का इलाज किया गया। पीएचसी तरहर में डॉ.हनुमंत लाल मिश्र ने 42 मरीजों की जांच कर जरूरी दवाएं दी। पीएचसी बिजौरा में डॉ. इर्शदेव आर्य ने 27 व पीएचसी सोहना में डॉ.सबीहा मलिक ने 40 मरीजों की इलाज की। अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने बताया कि वर्तमान समय में बदलते हुए मौसम को देखते हुए आम जन ठंड से बचाव पर विशेष ध्यान दें। इस दौरान पीएन तिवारी, कौस्तुभ, अंबुज श्रीवास्तव, प्रिंस पाण्डेय, रवींद्र कुमार, अश्वनी अग्रहरि, अमित तिवारी, मनोज मिश्र आदि मौजूद रहे।

प्रेमी–प्रेमिका ने की हात्महत्या

बाराबंकी (आभा)। जिले के असंद्रा थाना क्षेत्र एक गांव में रविवार सुबह अलग–अलग बिरादरी के युवक और युवती के शव फांसी के फंदे पर लटकते मिले। युवती ने अपने घर में फांसी लगाई तो युवक ने गांव के बाहर पेड़ से लटककर जान दी। सूचना पर दोनों घरों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बगैर पुलिस को सूचना दिए शवों को फंदे से उतार लिया। सूचना पर सीओ रामसनेहीघाट, असंद्रा पुलिस व फारेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

किन्नर का वेश धरकर चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

लखनऊ (आभा)। किन्नर का वेश धरकर दुकान में चोरी करने वाले दो युवकों को पीजीआई पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों के कब्जे से चोरी के दो आईफोन व तीन सौ रुपए नगद बरामद हुए हैं। वृन्दावन योजना सेक्टर–16 निवासी रुपेश कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया कि शनिवार रात चोरों ने उनकी दुकान से दो आईफोन व गल्ले से रुपए पार कर दिए। पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आशियाना रजनीखंड के विकास कश्यप उर्फ वैशाली व महमूदाबाद लोना के निजामुद्दीन उर्फ तमन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह किन्नर का वेश धरकर चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। जिससे पकड़े जाने का डर कम रहता है। अक्सर वह किन्नर का वेश धरकर लोगों से रुपए भी मांगते हैं। आरोपितों के कब्जे से चोरी के दो आईफोन बरामद हुए हैं। वह आईफोन बेचने जा रहे थे इस दौरान पुलिस की पकड़ में आ गए।

नमो भारत कॉरिडोर का उद्घाटन, पीएम मोदी ने खुद टिकट लेकर बच्चों के साथ किया सफर

मेरठ (आभा)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने रविवार को उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से दिल्ली के न्यू अशोक नगर तक दिल्ली–मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे खंड का उद्घाटन किया। पीएम ने साहिबाबाद स्टेशन से न्यू अशोक नगर स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन की सवारी भी की। इस दौरान पीएम मोदी ने बच्चों और लोगों से बातचीत की। एक बच्ची ने पीएम को एक कविता भी सुनाई।

आरआरटीएस के दिल्ली सेक्शन के उद्घाटन के साथ ही दिल्ली को पहली बार नमो भारत कनेक्टिविटी मिल गई है। न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ के बीच 55 किलोमीटर लंबा आरआरटीएस कॉरिडोर है, जिसमें 11 स्टेशन हैं। रविवार शाम 5 बजे से यह कॉरिडोर यात्रियों के लिए शुरू हो गया। हर 15 मिनट में लोगों के लिए ट्रेनें उपलब्ध होंगी।

न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ स्टेशन का किराया स्टैंडर्ड कोच के लिए 150 रुपये और प्रीमियम कोच के लिए 225 रुपये है। नया सेक्शन यात्रा के समय को एक तिहाई कम कर देगा, जिससे यात्री न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ की यात्रा सिर्फ 40 मिनट में कर सकेंगे। नए उद्घाटन किए गए 13 किलोमीटर के सेक्शन में से छह किलोमीटर हिस्सा भूमिगत है और इसमें कॉरिडोर का एक प्रमुख स्टेशन आनंद विहार शामिल है, जो एक प्रमुख ट्रांजिट हब है, जिसमें दिल्ली मेट्रो की ब्लू और पिंक लाइनों, एक रेलवे स्टेशन और एक बस टर्मिनल के साथ इंटरचेंज है। यह पहली बार है जब नमो भारत ट्रेनें भूमिगत सेक्शन पर चलेंगी और दिल्ली में चलेंगी। न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन का दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन के साथ एक इंटरचेंज भी होगा।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के इस हिस्से के निर्माण की लागत करीब 4,600 करोड़ रुपये है। इससे दिल्ली और मेरठ के बीच यात्रा में काफी आसानी के साथ–साथ लाखों यात्रियों को तीव्र गति एवं आरामदायक यात्रा के साथ उत्कृष्ट सुरक्षा और विश्वसनीयता का लाभ मिलेगा। दिल्ली खंड के उद्घाटन से पहले, प्रधानमंत्री ने पिछले साल 20 अक्टूबर को साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर के प्राथमिकता वाले खंड का उद्घाटन किया था।

अधूरे रजिस्टरों को करें पूर्ण बाजार में करें पैदल गश्त

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसपी डॉ.अभिषेक महाजन ने रविवार को आगामी मकर संक्रांति, गणतंत्र दिवस व शांति व्यवस्था को देखते हुए भारत–नेपाल के अंतरराष्ट्रीय सीमा ककरहवा व मोहाना थाना के चौकी ककरहवा, लालपुर व हरिवंशपुर, शुद्धोधन चौकी, बजहा चौकी, हरिवंशपुर, मोहाना व लोटन थाने का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने माहतहों को जरूरी दिशा–निर्देश दिया। एसपी ने अभिलेखोंध्रजिस्टरों की गहनता से निरीक्षण कर अधूरे रजिस्टरों को पूर्ण करने व शाम को बाजार में पैदल गश्त करने को निर्देशित किया। एसपी ने थाने के निरीक्षण के दौरान सबसे पहले संतरी ड्यूटी, मालखाना, सीसीटीएनएस कक्ष का निरीक्षण कर थाना परिसर की साफ–सफाई को लेकर जरूरी दिशा–निर्देश दिया। थाने के अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस रजिस्टर, समाधान दिवस रजिस्टर, भूमि–विवाद रजिस्टर, महिला उत्पीड़न रजिस्टर, एससी–एसटी रजिस्टर व मालखाना रजिस्टरों का निरीक्षण किया। रजिस्टर अपूर्ण मिलने पर तत्काल पूर्ण करने का निर्देश दिया। वाहन चोरी, लूट, सेंधमारी, चोरी, महिलाओं से संबंधित अपराध की घटनाओं पर रोकथाम व सघन चेकिंग करने का निर्देश दिया। शाम को नियमित एवं रूटीन फूट पैट्रोलिंग, रात में पैदल गश्त व पिकेट ड्यूटी के लिए निर्देशित किया।

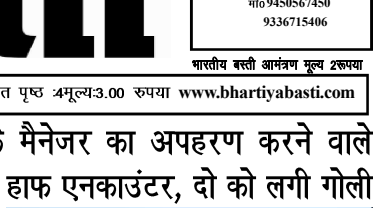

धर्म, संस्कृति और अध्यात्म का संगम है कुंभ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कुंभ स्नान मोक्ष प्राप्ति का साधन है। प्राचीन काल से ही ऋषि मुनियों ने मानव शरीर को अतिदुर्लभ बताया है। मानव शरीर पाकर मोक्ष प्राप्ति के साधन का उपाय परम धर्म है। सदग्रंथ, संत एवं पूर्वजों के बताए मार्ग पर चलने से जीवन उन्नति की ओर आगे बढ़ता है। ये बातें श्री पयोहारी आश्रम उस्का राजा के महंत लाल बहादुर दास ने कहीं। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर 14 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन किया गया है। 144 वर्ष बाद यह पूर्ण महाकुंभ है। प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन एवं नासिक में कुंभ का आयोजन होता है। कुंभ स्नान सनातन धर्म का एक महत्वपूर्ण धार्मिक व आध्यात्मिक आयोजन है। यह आयोजन धर्म की एकता और सांस्कृतिक विरासत का वृहद आयोजन है।

सर्वर डाउन होने से फार्मर रजिस्ट्री में दिक्कत, किसान परेशान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंजध क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर संचालित सीएससी पर फार्मर रजिस्ट्री के लिए किसानों की भीड़ लग रही है। सर्वर के स्लो होने और कभी कभार न चलने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के कादिराबाद, बयारा, भवानीगंज, बेंवा, भनवापुर, औराताल, बढ़नीचाफाध, शाहपुर, भड़रिया, मन्नीजोत आदि स्थानों पर संचालित कामन सर्विस सेंटर व जन सेवा केंद्रों पर लोग सुबह से ही किसान रजिस्ट्री के लिए पहुंचने लगते हैं लेकिन सर्वर डाउन होने से उन्हें प्रकिया पूर्ण कराने में घंटों इंतजार करना पड़ता है। डुमरियागंजध में एसडीएम डॉ.संजीव दीक्षित ने बताया कि सर्वर डाउन होने से कहीं–कहीं दिक्कत हो रही है। फिलहाल इसे करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि किसानों को मिलने वाली किसान सम्मान निधि की अगली किस्त उन्हीं किसानों के खातों में जाएगी जिनकी फार्मर रजिस्ट्री आईडी बन गई है। वही किसानों का फसल बीमा का लाभ, आपदा राहत के लाभ व बीज, खाद, कृषि यंत्रों, बैंक लोन, किसान क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाली सभी प्रकार की छूट आदि फार्मर रजिस्ट्री के बाद ही मिलेगी। उन्होंने बताया कि भविष्य में किसानों की मिलने वाली सभी सुविधाओं का लाभ फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से ही मिलेगा। फार्मर रजिस्ट्री के लिए किसान स्वयं भी जन सेवा केंद्र पर जाकर अपना फार्मर आईडी का रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री की सुविधा सभी जन सेवा केंद्रों पर उपलब्ध है।

गांव–गांव पहुंचकर पार्टी की नीतियां बताएं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सपाइयों ने रविवार को नगर कार्यालय पर जिलाध्यक्ष लालजी यादव की मौजूदगी में बैठक की। इसमें तमाम बिंदुओं पर चर्चा कर सभी को सक्रिय रहने को कहा गया। वक्ताओं ने कहा कि सपा का प्रत्येक कार्यकर्ता गांव–गांव और क्षेत्र में जाएं व पार्टी की नीतियां बताएं। साथ ही भाजपा की नाकामियों को भी बताएं। जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद इदरीश पटवारी ने कहा कि हम सबको मिलकर पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाना है और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करना है। चेयरमैन चमन आरा व कृष्ण कुमार त्रिपाठी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

सीएम योगी ने कल्याण सिंह की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि, बोले- पूरा जीवन राष्ट्र सेवा में समर्पित रहा

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यपाल कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि उप्र में सुशासन के संस्थापक श्रीराम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह 'बाबूजी' का समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है। एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम ने कहा कि 'बाबूजी' ने अपने जीवन का एक–एक क्षण समाज व राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था। सेवा, सुशासन और सामाजिक न्याय हेतु सदैव समर्पित रहे। सीएम ने 'पद्म विभूषण' कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएम ने कहा कि कल्याण सिंह भारत मां के महान सपूत, राष्ट्रभक्त व रामभक्त थे। 1932 में अलीगढ़ के एक छोटे से गांव में आज ही के दिन सामान्य किसान परिवार में उनका जन्म हुआ था। बाल्यकाल से ही देश की आजादी की लड़ाई को देखने, स्वतंत्रता के बोध व भावी भारत के निर्माण में हमारी क्या भूमिका होगी, इन संस्कारों से ओतप्रोत बालक कल्याण सिंह ने उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामान्य शाखा से लेकर आगे के कार्यक्रमों के माध्यम से खुद को राष्ट्रभक्ति के सांचे में ढाला था। किसान, शिक्षक, 1977 में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, विधायक, सांसद, दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री व दो राज्यों के राज्यपाल के रूप में उनकी कार्यकुशलता, कर्मठता व प्रशासनिक क्षमता की दक्षता को हर किसी ने स्वीकार किया। सीएम ने कहा कि सत्ता के लिए लोग सिद्धांतों की तिलांजलि दे देते हैं। कुछ प्राप्त करने के लिए मूल्यों के साथ समझौता करते हैं, लेकिन कल्याण सिंह जैसे व्यक्तित्व ने मूल्यों व सिद्धांतों के साथ कभी समझौता नहीं किया। रामजन्मभूमि आंदोलन और उसके बाद भी प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने, प्रशासनिक दक्षता को परिपूर्ण करने के लिए उनके द्वारा 1990 के दशक के प्रारंभ व उत्तरार्ध में जो प्रयास प्रारंभ किए गए थे, वह नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कराते हैं।

सीएम ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ, लेकिन उत्तर प्रदेश के लोगों को पहली बार इसका अहसास तब हुआ, जब मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करके कल्याण सिंह जी ने शासन व्यवस्था को आगे बढ़ाया। उस समय भी उन्हें अस्थिर करने के लिए झुंड के झुंड अव्यवस्था फैलाने पर उतारू थे। उसकी परवाह किए बिना उन्होंने श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सरकार की तिलांजलि दी। उनकी दूरदर्शिता थी, जो सपना उन्होंने देखा, वह साकार हो गया। आज अयोध्या में रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कार्य पूरा हो गया तो उनकी आत्मा को भी असीम शांति प्राप्त हुई होगी।

सीएम ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के जिस एकात्म मानववाद को उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पाठशाला में सीखा था, उसे धरातल पर भी उतारा। अन्नदाता किसानों के लिए घोषित योजनाएं हों, नकल विहीन परीक्षा के माध्यम से उप्र के युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल करने के उनके द्वारा चलाया गया अभियान भी अनुकरणीय है।

सीएम ने कहा कि 21 अगस्त 2021 को वे भौतिक काया से हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनका मार्गदर्शन शासन–प्रशासन के लिए आज भी पाथेय बना है। उप्र में जब भी शुचिता की बात होती है, हर प्रदेशवासी श्रद्धा–सम्मान के साथ कल्याण सिंह का नाम लेता है। उनके द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान मजबूती के साथ सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करके आमजन के जीवन में परिवर्तन करते दिखाई देते हैं। जिस नए उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए उन्होंने अपना जीवन लगाया, उसके लिए हम सब मिलकर कार्य करें। सीएम ने कहा कि राष्ट्रवाद व सुशासन का मंत्र ही नए भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश की भूमिका को रेखांकित कर पाएगा। सीएम ने कहा कि जिस बेसिक शिक्षा स्कूल के छात्र के रूप में कल्याण सिंह ने पढ़ाई और अध्यापक के रूप में कार्य किया होगा। उनके पौत्र आज उस विभाग के मंत्री के रूप में शिक्षा को नई दिशा दे रहे हैं। यही पूर्वजों की तपस्या और साधना का फल है। सही दिशा में किए गए प्रयास से परिणाम अवश्य आएंगे। 25 करोड़ जनता के जीवन में सुरक्षा व खुशहाली लाकर कल्याण सिंह के सपनों का उत्तर प्रदेश बढ़ाया जा सकता है।

इस मौके पर कल्याण सिंह के पुत्र पूर्व सांसद राजवीर सिंह श्राजू भैयाश ने आगंतुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सांसद साक्षी जी महाराज, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

जिओ फाइबर के मैनेजर का अपहरण करने वाले तीन बदमाशों का हाफ एनकाउंटर, दो को लगी गोली

(आभा)। हाथरस हाथरस गेट क्षेत्र के रुहेरी–किंदौली नहर कट के पास रविवार सुबह जिओ फाइबर के मैनेजर का अपहरण करने वाले तीन बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने एनकाउंटर में तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। हाथरस गेट क्षेत्र के रुहेरी–किंदौली नहर कट के पास रविवार सुबह जिओ फाइबर के मैनेजर का अपहरण करने वाले तीन बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने एनकाउंटर में तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। एनकाउंटर के दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लग गई। घेराबंदी कर पुलिस ने तीसरे बदमाश को भी दबोच लिया। गोली लगने से घायल दोनों बदमाशों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

रविवार की सुबह अपराध नियंत्रण और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के लिए पुलिस टीम द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर चेकिंग की जा रही थी। सुबह करीब 7:00 बजे थाना हाथरस गेट के रुहेरी किंदौली नहर कट के पास तहसील सदर की ओर से एक बाइक पर सवार तीन व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने के लिए इशारा किया तो उन्होंने बाइक की स्पीड को और बढ़ा दिया। साथ ही पुलिस टीम पर अचानक से फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए।

गोली लगने से घायल आरोपियों ने पूछता में अपने नाम प्रशांत पुत्र महेश निवासी सहार थाना छतारी जनपद बुलंदशहर और अंशुल उर्फ गोलू पुत्र नेम सिंह निवासी हतीसा थाना हाथरस गेट बताया है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनके पास से दो तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस और 4 जिंदा कारतूस, एक बिना नंबर की बाइक बरामद की है। आरोपी प्रशांत के विरुद्ध पूर्व से चार मुकदमा दर्ज हैं। इनके अलावा कॉम्बिंग के दौरान इनके साथी वीरेंद्र उर्फ प्रिंस पुत्र सतीश निवासी दिनेशपुर, जनपद रुद्रपुर, उत्तराखंड को भी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया।

एसपी हाथरस चिरंजीव नाथ सिंहा ने बताया, जियो कंपनी के मैनेजर के अपहरण की घटना में शामिल तीनों अभियुक्त कहीं जा रहे थे। चेकिंग के दौरान पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। इनका उपचार जिला अस्पताल में कराया गया है।

प्रियंका गांधी पर दिए गए विवादित बयान पर रमेश बिधूड़ी ने दी सफाई, मांगी माफी

नई दिल्ली (आभा)। भाजपा नेता और कालकाजी विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने प्रियंका गांधी को लेकर दिए गए अपने बयान पर खेद जताया है। बयान को लेकर घेरे जाने के बाद बिधूड़ी ने कहा, किसी संदर्भ में मेरे द्वारा दिए गए बयान पर कुछ लोग गलत धारणा से राजनीतिक लाभ के लिए सोशल मीडिया पर बयान दे रहे हैं। मेरा आशय किसी को अपमानित करने का नहीं था। परंतु फिर भी अगर किसी भी व्यक्ति को दुख हुआ है तो मैं खेद प्रकट करता हूं। दरअसल, भाजपा के पूर्व सांसद और आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में कालकाजी सीट से पार्टी के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह कालकाजी की सड़कें कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के गालों जैसी बना देने की बात कहते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह एक कार्यक्रम में बोलते दिख रहे हैं कि चुनाव जीतने के बाद वह कालकाजी की सारी सड़कें प्रियंका गांधी के गालों जैसी बना देंगे।

रमेश बिधूड़ी के इस आपत्तिजनक बयान को लेकर कांग्रेस और आप उन पर हमलावर हो गई। कांग्रेस ने बयान की कड़ी निंदा करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि बीजेपी महिला विरोधी पार्टी है। कहा कि रमेश बिधूड़ी का बयान उनकी मानसिकता और भाजपा के चरित्र को रेखांकित करता है।

वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा, यह बदतमीजी सिर्फ इस घटिया आदमी की मानसिकता नहीं दिखाती, यह है इसके मालिकों की असलियत। ऊपर से नीचे तक आरएसएस के संस्कार आपको भाजपा के इन ओछे नेताओं में दिख जाएंगे। वहीं, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह बहुत शर्मनाक बात है कि रमेश बिधूड़ी ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी के खिलाफ ऐसा बोला।

भाजपा नेता बिधूड़ी ने कहा कि इस प्रकार के बयान पहले दिए जाते रहे हैं। लालू जी ने हेमा मालिनी के बारे में जो बोला था, मैंने उसी संदर्भ में यह बयान दिया। आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान ने 2024 में उसी बयान को दोहराया तो आतिशी की चुप्पी रही। लेकिन फिर भी अगर मेरे इस बयान से किसी को दुख पहुंचा है तो मैं हृदय से अपने शब्द वापस लेते हुए खेद प्रकट करता हूं। लेकिन, इन लोगों को अंगुली उठाने का कोई हक नहीं बनता। पहले ये लोग अपने गिरेबां में झांके। बिधूड़ी ने कहा कि हम महिलाओं का सम्मान करते हैं। हमारी सनातन संस्कृति में सबसे पहले महिलाओं का सम्मान होता है। कांग्रेस भ्रष्टाचार के कारण डूब गई। आतिशी और केजरीवाल वोट मांग नहीं सकते काम को लेकर। इसलिए ये लोग इसी प्रकार की कार्ड खेलने की कोशिश करेंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि केजरीवाल ने कहा कि आतिशी टेंपररी मुख्यमंत्री हैं, क्या यह महिला का अपमान नहीं है। केजरीवाल ने आतिशी की कुर्सी अलग रखवा दी, क्या यह महिला का अपमान नहीं है।

परीक्षा देने जा रही बीए की दो छात्राओं को मैजिक ने कुचला, एक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा के भटगांवा गांव के चौराहे पर रविवार को दो छात्राओं को एक मैजिक ने कुचल दिया। दोनों रिश्ते में चचेरी बहन थीं और परीक्षा देने महाविद्यालय जा रही थीं। एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल है, उसका इलाज चल रहा है। घटना का फुटेज सामने आने के बाद परिजनों ने मैजिक चालक पर बच्चियों को जानबूझ कर कुचलने का आरोप लगाया है। परिजनों ने मामले में तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच कर रही है। वहीं, गाड़ी को बरामद कर मालिक को हिरासत में ले लिया है जबकि चालक और उसके साथी की तलाश में पुलिस जुटी है।

चौरीचौरा थानाक्षेत्र के बेलवा बाबू गांव के शिवचरण चौधरी की बेटी रिंकी (20) अपनी चचेरी बहन संजना(21) पुत्री हरिचरण के साथ जगदीशपुर स्थित नाथ चंद्रावत महाविद्यालय में परीक्षा देने जा रही थी। रविवार को सुबह 10.30 बजे भटगांवा गांव के चौराहे पर पहुंची थी। चौराहे पर खड़ी मैजिक को पार कर जैसे ही वे आगे बढ़ीं मैजिक चल पड़ी और दोनों छात्राओं को कुचल दिया। रिंकी (20) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि संजना गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद प्रत्यक्षदर्शियों ने गाड़ी का पीछा किया। तेज रफ्तार में कुछ दूर भागने के बाद के बाद चालक और उसका साथी गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। फिलहाल, जिस तरह से यह घटना सामने आई, उसे देखकर परिवारीजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस फिलहाल इसे हादसा ही मान रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव व सीओ अनुराग सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली। पंचायत भवन में लगे सीसीटीवी डीवीआर को जांच के लिए पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

भटगांवा पंचायत भवन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई। फुटेज में सामने आया है कि पंचायत भवन के किनारे खड़ी मैजिक मे बैठे दो लोग आपस में ड्राइवर की सीट अदला बदली कर रहे हैं। जैसे ही दोनों छात्राएं आगे बढ़ीं, मैजिक चालक ने रफ्तार से गाड़ी आगे बढ़ा दी और छात्राओं कुचलते हुए फरार हो गए। मैजिक गाड़ी पास के ही कैंथवालिया निवासी अब्दुलही की बताई जा रही है। पुलिस ने मैजिक को अपने कब्जे में ले लिया है, वहीं वाहन मालिक को भी हिरासत में लिया गया है। चचेरी बहनें रिंकी व संजना बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थीं। दोनों के पिता शिवचरण व हरिचरन सगे भाई हैं। रिंकी अपनी चार बहनों में सबसे छोटी थी। उसके दो भाई हैं, दोनों पढ़ाई करते हैं। दो बहनों की शादी हो चुकी है। रविवार को महाविद्यालय में परीक्षा थी। दोनों पैदल ही जा रही थी। छात्राओं को कुचलने की जानकारी के बाद पिपराइच थानाक्षेत्र के कैंथवलिया निवासी गाड़ी मालिक छात्राओं के बेलवा स्थित घर सहानुभूति जताने पहुंचे तो गाड़ी मालिक को देखकर आक्रोशित ग्रामीणों ने उनको दौड़ा लिया।

अपने चारपहिया वाहन से वाहन स्वामी सोनबरसा स्थित सरदारनगर मार्ग पर पहुंचे, वहां आक्रोशित ग्रामीणों ने गाड़ी पर पथराव कर उनकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया और उनके साथ हाथापाई भी की। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सोनबरसा चौकी पुलिस ने वाहन स्वामी को वहां से निकाला। बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 जनवरी 2025 सोमवार

सम्पादकीय

पड़ोसी बांग्लादेश की उथल—पुथल

बांग्लादेश में उग्र छात्र आंदोलन के बाद जो स्थितियां बनी हैं वे न तो इस देश के हित में हैं और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में। जनविद्रोह की स्थितियों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद लगातार बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत तब देखने को मिली, जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल 16 दिसंबर को बिजॉय दिबोश यानी विजय दिवस के मौके पर दिए गए संबोधन में युवा राष्ट्र के संस्थापक कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान का उल्लेख तक नहीं किया। उल्लेखनीय है कि यह दिवस भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके,लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर अमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी। इस तरह अराजकता व अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच नये विमर्श गढ़ने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, अंतरिम सरकार और कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश मुक्ति अभियान के दौरान जियाउर रहमान एक सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने 1971 के युद्ध में विशिष्टता के साथ सेवाएं दी थी। वे कालांतर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी बने थे। अपदस्थ सरकार के कर्ताधर्ता दलीलें दे रहे हैं कि उनके योगदान को राष्ट्र द्वारा उचित रूप से सम्मान देना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि इसके जरिये मुजीबुर्रहमान के योगदान को कम करने की कोशिशें भी की जा रही हैं। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार करना अनुचित ही होगा। दरअसल, यह सिर्फ सत्ता के केंद्र में आए व्यक्तियों की बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि बांग्लादेश में मुजीब के चित्र वाले नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने की कुत्सित कोशिशें की जा रही हैं। निश्चित रूप से गलत दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि तमाम निर्णय कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रहों से प्रेरित हैं। इसके बावजूद कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार खुद को बार—बार अराजनीतिक कहने से नहीं चूकती। यहां उल्लेखनीय है कि जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो रही है। दरअसल, सरकार पर उन छात्र नेताओं का भी बड़ा दबाव है, जिन्होंने शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था। जिसके बाद शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा था। कालांतर उन्होंने भारत में शरण ली थी। असल में, छात्र नेता दबाव बना रहे हैं कि वर्ष 1972 के बांग्लादेश के संविधान को फिर लिखा जाए। वे संविधान को मुजीबिस्ट चार्टर बता रहे हैं। आरोप है कि इसी ने भारत की आक्रामकता का मार्ग प्रशस्त किया। निश्चित रूप से मुजीब विरोधी आख्यान और भारत विरोधी बयानबाजी मिलकर बांग्लादेश की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं पर पानी फेर सकती हैं। ढाका को सलाह दी जानी चाहिए कि न तो वो दिल्ली से रिश्ते खराब करे और न ही मुजीब को इतिहास के कबाड के हवाले करे।

भागवत के वक्तव्य का विरोध क्यों

—अवधेश कुमार—

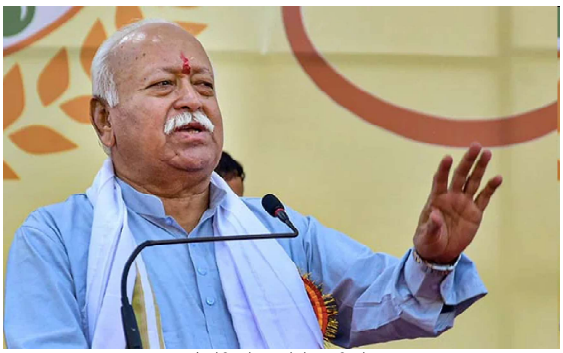

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत द्वारा वर्तमान मंदिर— मस्जिद उभरते विवादों पर दिए वक्तव्य को लेकर अनेक धर्माचार्यों और हिंदू संगठनों के नेताओं की विरोधी प्रतिक्रियायें लगातार आ रहीं हैं। इस संदर्भ में सबसे कड़ा बयान जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी का आया। उन्होंने कहा कि मैं भागवत के बयान से पूरी तरह असहमत हूं। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि भागवत हमारे अनुशासक नहीं है, बल्कि हम हैं। बाद में उन्होंने एक टेलीविजन पर बात करते हुए ऐसा कुछ बोला जो उनके अंदर व्याप्त नाराजगी को साफ दर्शा रहा था । वैसे रामभद्राचार्य जी ने कहा कि संभल में अभी जो कुछ हो रहा है वह बहुत बुरा है। हालांकि सकारात्मक पहलू यह है कि चीज हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम न्यायालय में मतदान और जनता के समर्थन से इसे सुरक्षित करेंगे। वैसे अनेक संगठनों, बुद्धिजीवियों, नेताओं आदि ने डॉक्टर भागवत के बयान का समर्थन भी किया है। विडंबना यह है कि पहले जब सरसंघचालक ने ऐसे वक्तव्य दिए तब उसे झूठ, पाखंड और आंखों में धूल झोंकने वाला तक कहा गया। इसलिए विरोधियों की प्रतिक्रियाएं इन संदर्भों में न नैतिक है, न विश्वसनीय और न इनका कोई अर्थ है। हमें पूरे विषय को सही संदर्भों में देखना और निष्कर्ष निकालना होगा।

पिछले वर्षों में यह पहली बार नहीं है जब भागवत के वक्तव्य पर विरोधी तीखी प्रतिक्रियाएं हिंदू संगठनों, नेताओं और कुछ धर्माचार्यों की ओर से आया है। 2 जून, 2022 को नागपुर में जब उन्होंने कहा था कि अयोध्या, काशी और मथुरा की मान्यता रही है लेकिन हर मस्जिद में मंदिर क्यों तलाशें तब भी इसी तरह की प्रतिक्रियाएं थी और उसके पूर्व धर्म संसदों में दिए गए आक्रामक वक्तव्यों के संदर्भ में भी उनके विचारों का कुछ पक्षों ने विरोध किया था। ऐसा नहीं है कि संघ प्रमुख या संघ के शीर्ष नेतृत्व को इसका आभास पहले से नहीं होगा। बावजूद उन्होंने ऐसा वक्तव्य दिया और पहले भी देते रहे हैं तो निश्चित रूप से इसके पीछे गहरी सोच, अतीत और वर्तमान का विश्लेषण तथा भविष्य की दृष्टि होगी। हम संघ के विचारों या कुछ कार्यों से सहमत असहमत हो सकते हैं लेकिन निष्पक्ष होकर विश्लेषण और विचार करने वाले मानते हैं कि शीर्ष स्तर से दिया गया हर वक्तव्य और भाषण काफी सोच —समझकर ही सामने आता है। वैसे भी सरसंघचालक का वक्तव्य संगठन परिवार के लिए अंतिम शब्द माना जाता है। स्वाभाविक ही जब ऐसा बोल रहे थे तो देश में बने वातावरण और आम हिंदू समाज की उस पर हो रही प्रतिक्रियाएं सब उनके सामने थे और हैं। तो फिर ऐसा उन्होंने क्यों कहा होगा?

पहले उनके भाषण की उन पंक्तियों को देखें। 19 दिसंबर को पुणे के सहजीवन व्याख्यानमाला में ' इंडिया द विश्व गुरू' विषय पर उनका भाषण था और उन्होंने मराठी में बोला। बोलते हुए डॉक्टर भागवत ने कहा ' हम लंबे समय से सद्भावना से रह रहे हैं। अगर देश में सौहार्द चाहिए तो इसकी मिसाल हमारे देश में होनी चाहिए, हमारे देश में आस्था का सम्मान होना चाहिए । हिंदुओं का मानना है कि राम मंदिर बनना चाहिए, क्योंकि यह आस्था का स्थान है। लेकिन ऐसा करने से आप हिंदुओं के नेता बन जाएंगे ऐसा नहीं है या किसी हिंसक अतीत के फलस्वरुप अत्यधिक नफरत, द्वेष ,शत्रुता, संशय से हर दिन एक नया मामला उठाना यह कैसे काम कर सकता है।' स्वाभाविक है कि संभल से लेकर बदायूं ,दिल्ली का जामा मस्जिद, कानपुर ,वाराणसी आदि में नए मंदिरों का मिलना, पहले से चल रहे वाराणसी के ज्ञानवापी और मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यायिक विवादों के बीच बने हुए वातावरण में सहसा इन पंक्तियों को पचा पाना आसान नहीं हो सकता। विचार करने वाली बात यह है कि क्या संघ जैसा संगठन, जिसने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए अपनी पूरी शक्ति लगाई तथा मथुरा और काशी को लेकर भी उसके मत उन दिनों से स्पष्ट रहे हैं जब दूसरे संगठनों का प्रभाव नहीं था, या वे थे नहीं तो वह ऐसा कैसे बोल सकते हैं? वह भी उन स्थितियों में जब संभल से लेकर बदायूं वाराणसी दिल्ली भोजशाला आदि सभी जगह ऐतिहासिक रूप से घटनाएं और वर्तमान स्थिति हिंदुओं के पक्ष में जाती है। मुस्लिम काल में इन मंदिरों को ध्वस्त किया गया और उनमें निहित प्रतिमाओं को अपमानित करने के लिए अनेक उपक्रम हुए स्वतंत्रता के बाद भी अपने ही मूल शहर से हिंदुओं को दूसरी जगह पलायन करना पड़ा उनके मंदिरों में पूजा पाठ करना, लोगों का जाना कठिन हुआ, बंद हुए और कई जगहों पर बेदर्दी से स्थलों को कब्जा करने के उपक्रम भी हुए। स्थानीय स्तरों पर इनमें से ज्यादातर स्थानों को प्राप्त करने की भावनायें या उन मुद्दों को उठाने और कहीं—कहीं संघर्ष करने का भी लंबा अतीत है। इसमें अगर व्यक्तिगत रूप से किसी हिंदू समूह या पूरे समाज को लगता है कि हमें वह स्थल वापस मिलने चाहिएं और जहां प्रतिमाओं का अपमान हुआ उनका निराकरण भी हो और इसके लिए वे सामने आते हैं, न्यायालय में जाते हैं तो यह स्वाभाविक है। भागवत जिस विषय पर बोल रहे थे वह भारत के विश्व गुरु बनने पर था और उनका पूरा भाषण 1 घंटे से ज्यादा का है। इसमें वह प्राचीन भारत से लेकर मुस्लिम काल, अंग्रेजों की गुलामी आदि के प्रभाव, वर्तमान में भारत किस तरह विश्व दृष्टि से कम कर रहा है आदि सभी बातें शामिल हैं जिनकी लोग अपेक्षा रखते हैं। फिर भविष्य की दृष्टि है और उसी में लगभग अंत में केवल एक कुछ पंक्तियां हैं। किसी देश को पूरा संसार अपना आदर्श तभी मानेगा और उसका अनुसरण भी करेगा जब वह देश अपने अंदर विवादों को सही तरीके से सुलझाने, सभी पंथो, मजहबों के बीच के तनावों को तरीके से समाप्त करने और सहजीवन के साथ रहते हुए आदर्श देश की मिसाल रखेगा। यानी उठाए जा रहे मुद्दों के अन्य पहलुओं पर गहराई से नहीं विचार होगा तो समस्यायें सुलझने के बजाय उलझेंगी और फिर इनका समाधान भी संभव नहीं होगा। कोई भी विवेकशील व्यक्ति कह नहीं सकता कि जो अतीत में अन्याय , अत्याचार, ध्वंस और कब्जे हुए वो वैसे ही रहे और लोगों की भावनाएं दमित हों। इनसे भविष्य में हिंसा व तनाव बढ़ाने की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। समस्या यह है कि संपूर्ण देश में ऐसे हजारों स्थान है। कल्पना करिए धीरे—धीरे पूरे देश में ऐसे विषय उठ जाएं और स्थिति संभल जैसी पैदा हों तो क्या होगा? क्या देश की इन विवादों के अंतिम समाधान की अभी तक तैयारी है? क्या हिंदू समाज इनके विरुद्ध होने वाली अनेक तरह की विपरीत प्रतिक्रियाओं का सफलतापूर्वक सामना करने की अवस्था में पहुंच गया है? क्या जो लोग इन विषयों को न्यायालय में ले जा रहे हैं उनकी ऐसी क्षमता है कि वो इनका सामना भी कर सकें? क्या उन सब की विश्वसनीयता भी है? क्या धर्माचार्य और अन्य हिंदू संगठनों ने उन स्थितियों के लिए अपनी तैयारी कर रखी है? अभी तक ज्यादातर ध र्माचार्यों ने संगठित होकर किसी ऐसे विषय के समाधान की न पहल की न वे लोगों के बीच गए। संभल में ही समस्या पैदा होने पर कितने समाधान या संघर्ष के लिए आगे आए इन पर अवश्य दृष्टि रखिए। सारे प्रश्नों का उत्तर भारत के व्यापक राष्ट्रीय वैश्विक लक्ष्यों का ध्यान रखते हुए शांतिपूर्वक तलाश से जाने की आवश्यकता है। सच यह है कि लगभग 1000 वर्षों की हिंदू मुस्लिम विवादों के समाधान पर देश के राजनीतिक, धार्मिक और बौद्धिक नेतृत्व ने कभी लंबा विचार ही नहीं किया और जब विचार नहीं होगा तो फिर रास्ता निकालेगा कौन? इसके विपरीत राजनीतिक दलों ने वोट के लिए अपने बयानों और नीतियों से अतीत या वर्तमान के अन्यायों का ही समर्थन किया और जो इन विषयों को उठा रहे हैं उन्हें आज भी उन्हें ही निंदा आलोचना और विरोध का सामना करना पड़ता है। इस सच को स्वीकार करना होगा कि ऐसी नीतियों और आचरणों से सनातनी समाज के अंदर व्यापक असंतोष और क्षोभ पैदा हुआ जिसकी परिणति इन छिटपुट विवादों के रूप में सामने आ रहीं हैं। दूसरी ओर जब इन विवादों से समस्याएं बढ़तीं हैं या प्रतिक्रियाएं विकराल रूप में सामने आतीं हैं तो न कोई संगठन दिखता है और न ही हमारे धर्माचार्य। संभल में सर्वे के सामान्य न्यायिक प्रक्रिया के विरुद्ध जितनी सुनियोजित तरीके से हिंसा हुई और उसकी आलोचना की जगह जिस दिशा में पूरे मुद्दे को व्याप्त इकोसिस्टम ले गया उनका सामना कौन करेगा? विरोधी इन सारे विवादों के लिए किस संगठन को जिम्मेदार ठहराते हैं? संघ और भाजपा। संघ की प्रकृति कभी ऐसी नहीं दिखी कि वह आरोपों का खंडन करने या विवादों पर स्पष्टीकरण देने आए। जिस संगठन को दीर्घकालिक दृष्टि से काम करना है वह त्वरित और तात्कालिकता का समर्थन नहीं कर सकता। जिस तरह संभल से कानपुर और अन्य शहरों में स्वतंत्रता के बाद भी सक्रिय मंदिरों पर कब्जे हुए, बंद किए गए, पवित्र कुएं तक पाटे गए और ऐसे स्थान काफी संख्या में सामने आ रहे हैं,उनकी आवाज उठाने और प्रशासन की मदद से उनके समाधान की,कोशिशें हो रहीं हैं, सतर्कतापूर्वक होनी चाहिए। संघ प्रमुख ने उन पर बात नहीं की है। संघ का रुख यही रहा है कि हम हिंदू समाज के संगठन है लेकिन सभी हिंदू हमारे साथ है ऐसा नहीं है। गहराई से देखें तो डॉक्टर भागवत का वक्तव्य भविष्य दृष्टि से सभी के लिए सुझाव और सलाह की तरह है और इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। संघ या कोई संगठन धर्माचार्यों का अनुशासक या उनका मार्गदर्शक न हो सकता है और न उनके अंदर ऐसा भाव होगा। लेकिन सभी को समस्याओं के स्थायी समाधान,भारत के वर्तमान और भविष्य की दूरगामी दृष्टि से विचार कर आगे बढ़ना चाहिए।

डॉक्टरों की कमी के यक्ष प्रश्न

—डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी—

सर्वविदित है कि देश की विशाल आबादी पर चिकित्सकों की उपलब्धता वैश्विक मानकों के अनुरूप नहीं है। यूनेस्को कई बार बता चुका है कि भारत के कई स्थानों पर एक हजार व्यक्तियों पर एक चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यदि देश के कई मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाएं तो इसे देश के लिये विडंबना ही कहा जाएगा। इस ज्वलंत मुद्दे पर देश की शीर्ष अदालत ने संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि इस माह के अंत तक देश के सभी मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में रिक्त पड़ी सीटों को तुरंत भरा जाए। जाहिर है जब देश में पहले से ही डॉक्टरों के कमी है तो ये सीटें क्यों खराब की जा रही हैं? निश्चित रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में शीर्ष अदालत की यह पहल बदलावकारी साबित हो सकती है।

फरवरी 2024 को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में मंत्रालय की ओर से नेशनल मेडिकल कमीशन की रिपोर्ट पेश की गई, इस रिपोर्ट के हिसाब से भारत में जून 2022 तक स्टेट मेडिकल काउंसिल और नेशनल मेडिकल कमीशन में 13,08,009 एलोपैथिक डॉक्टर रजिस्टर्ड हैं। इस रिपोर्ट के हिसाब से भारत में जून 2022 तक स्टेट मेडिकल काउंसिल और नेशनल मेडिकल कमीशन में 13,08,009 एलोपैथिक डॉक्टर रजिस्टर्ड हैं।

देश में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए पिछले दिनों बड़ी संख्या में नये मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, लेकिन इनमें सीटों की संख्या दुगनी हो जाने के बाद भी डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2014 में कार्यभार संभालने के बाद से विशेष उपचार के लिए एक दर्जन से अधिक एम्स जैसे चिकित्सा संस्थानों का निर्माण किया है। सरकार की देश के 761 जिलों में से हरेक में कम से कम एक बड़ा अस्पताल बनाने की योजना है। समस्या डॉक्टरों की कमी की है। यह कमी तब और गंभीर हो जाती है जब भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1991 में भारत का डॉक्टर—रोगी अनुपात प्रति 1,000 रोगियों पर 1.2 डॉक्टरों के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन जैसे—जैसे जनसंख्या बढ़ी 2020 में अनुपात घटकर लगभग 0.7 रह गया। डब्ल्यूएचओ द्वारा सिफारिश स्तर एक है और चीन में यह अनुपात 2.4 है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मार्च में संसद को बताया कि वास्तव में भारत में प्रति 834 रोगियों पर एक डॉक्टर का अनुपात है, जो डब्ल्यूएचओ स्तर से काफी ऊपर है, लेकिन संख्या में आयुर्वेद, होम्योपैथी और प्रा.तिक चिकित्सक शामिल थे। डब्ल्यूएचओ और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जैसे डॉक्टर समूह अपनी गणना में पारंपरिक चिकित्सा के चिकित्सकों को शामिल नहीं करते हैं।

इस दिशा में उत्तर प्रदेश में काफी अच्छा काम हुआ है। एक समय में यूपी में सिर्फ 18 मेडिकल कॉलेज थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश और सूबे के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के चलते आज राज्य में 64 जिलों में कम से कम एक संस्थान स्थापित हो चुके हैं। जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। बाकी के बचे हुए जिलों में भी मेडिकल कॉलेज खोलने की तैयारी योगी सरकार कर रही है। असल में यूपी में योगी सरकार 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' के प्रण को पूरा करने की दिशा में बड़ी तेजी से काम कर रही है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि मोदी के कार्यकाल में विशेष संस्थानों को छोड़कर, सार्वजनिक अस्पतालों की संख्या में लगभग नौ फीसदी की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक सरकार ने निजी और सार्वजनिक कॉलेजों में स्नातक मेडिकल सीटों की जो संख्या मार्च 2014 से पहले 51,348 थी उसे लगभग दोगुनी कर 1,01,043 कर दी है।

डालर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला

—डॉ.सत्यवान सौरभ—

सितंबर 2024 के शेयर शिखर के बाद निरंतर बहिर्वाह ने रुपये को कमजोर कर दिया क्योंकि निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर चले गए। उच्च व्यापार घाटे जैसे व्यापार घाटे आयात पर बाहरी निर्भरता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से ऊर्जा के लिए, रुपये की कमजोरी के दौरान चालू खाता घाटा बढ़ाते हैं। रुपये के अवमूल्यन के साथ भारत का कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया, जिससे 2024 का व्यापार घाटा बढ़कर +75 बिलियन के करीब पहुँच गया।

टैरिफ की धमकियाँ और ब्रिक्स मुद्रा विवाद जैसी वैश्विक घटनाएँ भारत के बाहरी व्यापार और निवेश के लिए अनिश्चितताएँ पैदा करके अस्थिरता को बढ़ाती हैं। ब्रिक्स देशों की मुद्रा योजनाओं के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 2024 टैरिफ चेतावनी ने बाजार में बिकवाली को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की बाहरी स्थिरता कमजोर हुई। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी निर्भरता निरंतर वैश्विक बाजार अशांति के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक लचीलेपन को प्रतिबंधित करती है।

रुपये को वापस 85.53 पर लाने के लिए दिसम्बर 2024 में एक ही तिमाही में +20 बिलियन से अधिक के भंडार को समाप्त कर दिया। कमजोर रुपया घरेलू मौद्रिक नीतियों को प्रतिबंधित करता है, महंगे आयातों के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ाता है जबकि विकास सम्बंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राजकोषीय स्थान को कम करता है। दिसम्बर 2024 में कच्चे तेल के आयात की लागत 15: बढ़ गई, जिससे नीति निर्माताओं पर मुद्रा प्रबंधन और राजकोषीय विस्तार रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने का दबाव पड़ा।

टैरिफ या प्रतिबंध जैसे संरक्षणवादी व्यापार उपाय, व्यापार संतुलन को बाधित करके मुद्रा स्थिरता को कमजोर कर सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे सुरक्षित—पनाहगाह डॉलर की मांग बढ़ती है और उभरते बाजारों की मुद्राएँ कमजोर होती हैं। रूस—यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव पड़ा और रुपये का मूल्य कम हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक नीतियों के कारण भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है, जिससे रुपये पर दबाव पड़ता है।

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। उच्च घरेलू मुद्रास्फीति मुद्रा मूल्य को कम करती है, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है और आयात महंगा हो जाता है। कच्चे तेल जैसे अलोचदार आयातों की बढ़ती कीमतों ने भारत के आयात बिलों को बढ़ा दिया, जिससे 2023 में रुपया कमजोर हो गया। घरेलू और विदेशी निवेश में गिरावट कमजोर आर्थिक विकास का संकेत देती है, जिससे मुद्रा प्रवाह हतोत्साहित होता है। 2024 में, कॉर्पोरेट प्रदर्शन में कमी और स्टॉक वैल्यूएशन में वृद्धि के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह हुआ। मुद्रा को स्थिर करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा सीमित हैं और केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। दिसम्बर 2024 में आरबीआई के देर से हस्तक्षेप ने रुपये को अस्थायी रूप से 85.53 प्रति डॉलर पर स्थिर करने में कामयाबी हासिल की। राजकोषीय रूप से विवश सरकार बाहरी झटकों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता को कम करती है, जिससे मुद्रा स्थिरता में विश्वास कमजोर होता है। महामारी के दौरान भारत के रिकॉर्ड राजकोषीय घाटे ने बाहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपायों को सीमित कर दिया। मुद्रा नीतियों पर सरकार का स्पष्ट रुख निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और सट्टा दबाव कम करता है। आरबीआई गवर्नर द्वारा 2024 में डी—डॉलराइजेशन को खारिज करने से बाजार आश्वस्त हुआ, जिससे रुपये के मूल्यह्रास की चिंताएँ अस्थायी रूप से कम हो गईं। ।

बाह्य लचीलेपन को मजबूत करने के उपाय हैं, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए मूल्यवर्धित विनिर्माण और सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना। फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने से व्यापार घाटे को कम करने और रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है।

संपत्ति विवाद में बेटा बना हैवान, पिता के ऊपर पेट्रोल डालकर लगाई आग, मां को भी मारा चाकू

संवाददाता–महाराजगंज। घुघली में एक बेटे ने अपने पिता पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी और बीच–बचाव करने आई मां को चाकू मारकर घायल कर दिया। घटना भूमि के बदले रेलवे से मिले मुआवजे की रकम को लेकर हुई। आरोपित बेटे को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा रामपुर बल्डीहा में शनिवार को देर रात भूमि के बदले रेलवे से मिले मुआवजा की रकम को भाइयों के बीच बंटवारे को लेकर नाराज बड़े बेटे ने पिता के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस दौरान बीच बचाव करने आई मां के ऊपर भी आक्रोशित बेटे ने चाकू से प्रहार कर घायल कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया। गंभीर रूप से घायल माता–पिता को स्थानीय सीएचसी ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ग्रामसभा के दक्षिण टोला निवासी सुदर्शन की जमीन रेलवे ने अधिग्रहण किया है, जिसके बदले में रेलवे द्वारा उसे मुआवजे की रकम मिली थी। इस रकम से सुदर्शन ने गांव में ही एक एकड़ जमीन अपनी पत्नी प्रभावती के नाम से खरीद लिया। सुदर्शन के चार बेटा तथा दो बेटियां हैं, जिसमें से बड़ा बेटा राधे व दूसरे नंबर का बालकुंवर अपने ननिहाल कुशीनगर जनपद के बरवां दुबे नेवासे पर रहते हैं, जबकि तीसरे नंबर का राजेश व चौथे नंबर का बेटा दिनेश माता–पिता के साथ गांव पर रहते हैं। पिता ने चारों बेटों को 10–10 लाख तथा दो बेटियों को तीन–तीन लाख रुपये दे दिया था। बताया जा रहा है कि इस बीच दिनेश को गांव पर मकान बनाने के लिए उसके पिता ने दस लाख रुपये और दे दिया। इस बात पर राधे भी और रुपये की मांग करते हुए सभी भाइयों में 10–10 लाख रुपये और अलग से बंटवारा करने की बात पर अड़ गया। जिसको लेकर विवाद हो गया। कुछ देर बाद विवाद शांत होने के बाद सुदर्शन सोने चला गया। रात लगभग 11 बजे राधे ने सो रहे पिता के ऊपर पेट्रोल डाल आग लगा दिया, चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी पत्नी प्रभावती पहुंच गई, तभी राधे ने उसके गले पर चाकू से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे तथा आग बुझा कर सुदर्शन को अस्पताल भेजवाया। थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने कहा कि आरोपित को पकड़ लिया गया है। पूछताछ की जा रही है। तहरीर मिलते ही आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

खाटू श्याम निशान यात्रा पर जमकर बरसे फूल

संवाददाता–बहराइच। निशान यात्रा में सैकड़ों की संख्या में शामिल हुईं महिलाएं कैसरगंज, संवाददाता। कैसरगंज में रविवार को खाटू श्याम की निशान यात्रा धूमधाम से निकाली गई। यात्रा में ध्वज लिए श्रद्धालु भक्ति की धुनों पर थिरकते रहे। निशान यात्रा का कस्बे में जगह–जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। करीब एक हजार ध्वज हाथों में लिए महिला व पुरुष श्रद्धालु चल रहे थे। निशान यात्रा सब्जी मण्डी से होती हुई तहसील गेट तक पहुंची। वहां से होते हुए यह यात्रा हनुमान मन्दिर के निकट पहुंची जहां श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर इस निशान यात्रा स्वागत किया। वहां डीजे गाड़ी के आगे ध्वज लिए श्रद्धालु, बाबा खाटू श्याम के गीतों पर थिरकते रहे। सैकड़ों की संख्या में महिलाओं की भी भागीदारी रही। निशान यात्रा निकलने से पूरा कस्बा भक्ति रस में डूब गया। हनुमान मन्दिर होते हुए निकली इस यात्रा में जगह– जगह पुष्प वर्षा कर प्रसाद वितरित किया गया। पूरे रास्ते श्रद्धालु खाटू श्याम के जयकारे लगाते रहे। निशान यात्रा का समापन कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर हुआ। जहां सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर विधान सभा संयोजक गौरव वर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, कार्यक्रम संयोजक अरविंद यज्ञसेनी, ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह विसेन, जिला उपाध्यक्ष सुबेद वर्मा, मंडल अध्यक्ष शिवानंद सिंह, शिवसहाय सिंह, बुद्ध सागर गुप्ता,ओम प्रकाश पारीक, पूर्व प्रधान कौशलेंद्र चौधरी,नीरज श्रीवास्तव एडवोकेट,मनीष श्रीवास्तव, सुनील रस्तोगी, रतन पारीक, नानबच्चा सोनी, पवन सिंह,आशु सोनी, अनिल सोनी, उमा प्रताप सिंह, अतुल यज्ञसेनी, श्यामजी, प्रफुल्ल राज सिंह, भरत कौशल, आलोक जायसवाल, गुलाब सिंह, धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, रीतेश श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, हरिद्वारी गुप्ता, सत्यम सोनी, उमा प्रताप सिंह, विनोद जैन, हीरालाल, बद्रीबाबा, अरविंद श्रीवास्तव, सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रतिष्ठा द्वादशी पर सीएम योगी करेंगे रामलला का अभिषेक, जाने माने कलाकार देंगे प्रस्तुति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीरामचन्द्र जी के जन्मस्थान अयोध्या धाम में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट प्रभु श्री राम लला का तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, प्रभु श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा के 1 वर्ष पूरे होने पर पौष शुक्ल पक्ष, द्वादशी, विक्रम सम्मात, 2001 तद्नुसार 11 जनवरी, 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा सुबह 10 बजे अभिषेक से प्रारंभ होगा और 13 जनवरी तक चलेगा। जिसमें अयोध्या में सभी जातियों के मंदिरों के महंत और देश के विभिन्न कोने से 70 से अधिक संतो महंतों को आमंत्रित किया जाएगा। अंगद टीला पर प्रेस से मुखातिब होते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बताया कि उन्होंने बताया कि 11 जनवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री रामलला का अभिषेक करेंगे और इसी के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा दोपहर में 2 बजे उनका संबोधन भी अंगद टीला पर होगा। जगतगुरु शंकराचार्य माधवाचार्य भी उपस्थित रहेंगे।

श्री राय ने बताया कि 13 जनवरी को अंगद टीला पर सायं काल 5 से रात्रि 8:30 तक मालिनी अवस्थी और कुमार विश्वास का कार्यक्रम होगा। 13 जनवरी को दोपहर 3:30 बजे से 5 तक जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ जी महाराज गीता पर अपना वक्तव्य देंगे और 12 जनवरी को दोपहर 2 बजे रमेश भाई ओझा श्री राम कथा करेंगे और उसी दिन शाम 5:30 बजे से 8:30 तक अनुराधा पौडवाल और कविता पौडवाल अपना गायन प्रस्तुत करेंगी। जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य महाराज कार्यक्रम में तीनों दिन अपना समय देंगे।11 जनवरी को सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में स्वती मिश्रा का गायन और रामलीला मंचन होगा। उपरोक्त कार्यक्रम अंगद टीला पर संपन्न होंगे जिसमें सभी व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्ल यजुर्वेद मध्यन्दिन शाखा के 40 अध्याय के 1975 मित्रों से अग्नि देवता को आहुति दी जाएगी। श्री राम बीज मंत्र का 6 जप किया जाएगा। किसी के साथ हनुमान चालीसा, पुरुष सूक्त, श्री सक्त, आदित्य हृदय स्तोत्र, अथर्वशीर्ष , श्री राम रक्षास्तोत्र का भी पारायण किया जाएगा। तीनों दिन संगीत में रामचरितमानस का पाठ होगा। उन्होंने बताया कि भगवान के सामने इस मांगलिक अवसर के परिप्रेक्ष्य में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा तीन दिवसीय श्रीराम राग–सेवा का कार्यक्रम मन्दिर परिसर में गर्भगृह के निकट मण्डप में सम्पन्न होगा, जिसमें हम प्रभु श्रीराम की भक्ति के प्रति विनीत भाव से संगीत, नृत्य और वादन के द्वारा उन्हें सेवा प्रदान करने का उपक्रम करेंगे।यह संगीत–सेवा,राग–सेवा,नृत्य–सेवा इस आशय से तहत सम्पन्न हो रही है कि भारतीय उपासना पद्धति की श्रवण भक्ति परम्परा में संगीत द्वारा श्रीराम–राग–सेवा देवता को अर्पित की जाती है। पहले दिन 11 जनवरी को प्रख्यात गायिका श्रीमती उषा मंगेशकर और मयूरेश पई भगवान के सम्मुख भजन से राग–सेवा का आरम्भ करेंगे, जिसके उपरान्त साहित्य नाहर सितार तथा सन्तोष नाहर जी वॉयलिन की जुगलबन्दी से भक्ति का अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। पहले दिन का समापन डॉ. श्रीमती आनन्दा शंकर जयन्त द्वारा भरतनाट्यम नृत्य द्वारा भावयामि रघुरामम की प्रस्तुति देंगी।

दूसरे दिन का 12 जनवरी की राग सेवा प्रसिद्ध लोकगायिका शैलेश श्रीवास्तव के बधावा, सोहर गायन से होगी। इसके बाद प्रख्यात शास्त्रीय गायिका सुश्री कलापिनी कोमकली श्रीराम भजन एवं निर्गुण गायन से राग–सेवा प्रस्तुत करेंगी। इस दिन के कार्यक्रम का समापन विश्वविख्यात बाँसुरी वादक श्री राकेश चौरसिया के बाँसुरी वादन से होगी और अन्तिम दिन 13 जनवरी की राग–सेवा का आरम्भ श्रीमती आरती अंकलिकर के शास्त्रीय गायन से होगी, जिसके बाद प्रख्यात कथक नृत्यांगना शोभना नारायण की कथक प्रस्तुति और अन्त में दक्षिण के स्वनामधन्य गायक श्रीकृष्ण मोहन एवं श्रीराम मोहन त्रिचूर बदर्स के कर्नाटक पद्धति के शास्त्रीय गायन व श्रीराम भजन से सम्पन्न होगी। इस अवसर पर ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्रा, यतींद्र मिश्र, गोपाल जी, विहिप मिडिया प्रभारी शरद शर्मा उपस्थित रहे।

खेत में पानी चलाने गए शख्स का नहर में मिला शव

संवाददाता–महराजगंज। घुघली थाना क्षेत्र के विशुनपुर गबडुआ गांव में गेहूं की फसल की सिंचाई करने गए एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थिति में रविवार को पानी में उतराता मिला। इससे हड़कंप मच गया। घटना स्थल पर पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया था। मौके पर पहुंची घुघली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विशुनपुर गबडुआ गांव निवासी दिलीप कन्नौजिया शनिवार की रात आठ बजे हरपुर महंथ गांव से बाजार करके घर आया। भोजन के बाद वह खेत में गेहूं की फसल में सिंचाई करने चला गया। काफी रात तक जब दिलीप घर नहीं लौटा तो परिजन उसे ढूंढने के लिए खेत में पहुंचे। पर, दिलीप वहां नहीं मिला। अनहोनी की आशंका में परिजन पास से गुजरी नहर की पानी में देखने लगे, लेकिन पता नहीं चला। रविवार को दोपहर में हरपुर गांव के कुछ लोगों ने नहर की पुलिया पर एक शव को उतराता देख शोर मचाना शुरू कर दिया। दिलीप के परिजन भी मौके पर पहुंचे। शव को देख बिलखने लगे। दिलीप के परिवार में दो पुत्र व तीन बेटियां हैं। अभी किसी की शादी नहीं हुई है। घुघली थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि पंचनामा के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले में छानबीन की जा रही है।

महसी में शिक्षा की अलख जगाने वाले थे राम हर्ष मिश्र -बार अध्यक्ष

संवाददाता–बहराइच। पंडित राम हर्ष मिश्रा स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज महसी के वार्षिकोत्सव का रविवार को विद्यालय परिसर में भव्य आयोजन किया गया। जिसमें कालेज की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, वहीं काव्य गोष्ठी में कवियों ने अपनी कविताओं से समां बांधा। मुख्य अतिथि डॉ. स्वामी भगवताचार्य जी महराज एवं विशिष्ट अतिथि बार एसोसिएशन बहराइच के अध्यक्ष रामजी बाजपेई रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चे भविष्य के कर्णधार होते हैं। देश का भविष्य इनकी उच्च शिक्षा व अच्छे संस्कारों से ही निखरता है। विद्यालय शिक्षा एवं संस्कारों की ऐसी नर्सरी होते हैं, जहां से देश के भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है। शिक्षा के क्षेत्र में महसी को नई दिशा देने वाले इस विद्यालय संस्थापक पंडित राम हर्ष मिश्रा का अतुलनीय योगदान रहा।

इस विद्यामंदिर से शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों पर पहुंच समाज सेवा करना ही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बहराइच अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राम जी बाजपेई ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख रहते हुए उन्होंने वर्ष 1963 में महसी क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद माध्यमिक विद्यालय के नाम से हाईस्कूल की स्थापना कर शिक्षा की अलख जगाई थी। इससे पहले यहां माध्यमिक स्तर का विद्यालय न होने से महसी शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा था। आज इस विद्यामंदिर से निकले अध्यापक, डाक्टर, साहित्यकार एवं उच्च पदों को प्राप्त तमाम लोग इस क्षेत्र का नाम रोशन कर सेवाएं दे रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता व संघ पूर्व अध्यक्ष पंडित राम छबीले शुक्ला ने कहा कि पंडित राम हर्ष मिश्रा ने समाज सेवा अपना जीवन समर्पित किया है। शिक्षा के क्षेत्र सहित महसी के विकास में उनका अमूल्य योगदान रहा यहां का कण कण उनका ऋणी है। उन्होंने वर्ष 1969 में बतौर विधायक महसी का नेतृत्व किया। उसके बाद वे 1980 में पुनरू फखरपुर से विधायक चुने गए थे।

कवि एवं साहित्यकार पं. रामकरण मिश्रा सैलानी व राम संवारे चातक ने अपनी रचनाओं से तालियां बटोरीं। प्रबंधक देवेश चंद्र मिश्रा मंजुल ने अतिथियों पुष्पहार से स्वागत किया। कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, प्रधानाचार्य यशपाल सिंह, कृपा शंकर अवस्थी, सुभाष चंद्र त्रिपाठी, माधवदीन मिश्र, पवन कुमार शुक्ल, सुशील कुमार गुप्ता, शिव पूजन अवस्थी, अशोक कुमार शुक्ला सहित तमाम अतिथि एवं सैकड़ों छात्र– छात्राएं मौजूद रहे।

करंट की चपेट में आने से किशोर घायल

संवाददाता–महराजगंज। जिला मुख्यालय परिसर में स्थित पाकड़ का पत्ते तोड़ रहा किशोर करंट की चपेट में आकर पेड़ से नीचे गिर गया। सूचना पर पहुंचे घर वाले उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराए हैं। डॉक्टर उसकी हालत नाजुक बता रहे हैं। सदर कोतवाली क्षेत्र के बांसपार बैजौली के टोला काशीपुर निवासी नितीश (10) रविवार की दोपहर में जिला मुख्यालय परिसर में स्थित बकरी के लिए पाकड़ का पत्ता तोड़ने के लिए पेड़ पर चढ़ गया। अभी उसने डाल पर बैठकर जैसे ही वह पत्ता तोड़ने की कोशिश की करंट की चपेट में आ गया। करंट की झटके से नितीश पेड़ से नीचे गिर गया। नितीश के साथ पत्ता तोड़ने गए बच्चे चिल्लाने लगे। इसमें से किसी ने उसके घर सूचना दे दी। सूचना पर पहुंचे घरवाले उसे जिला अस्पताल ले गए। खून से लथपथ बेहोशी की हालत में देख उसकी मां दहाड़े मारकर रो रही थी। प्राथमिक इलाज के बाद नितीश की हालत में थोड़ा सुधार हुआ है। डॉक्टर उसकी हालत नाजुक बता रहे हैं। अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल महराजगंज वाईपी सिंह ने बताया कि बिजली तार को छू रहे पेड़ की डाली काटी जाएगी। इसके लिए मुख्यालय विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता को निर्देशित किया गया है।

11 को सकल विश्वास के राम गाने को किया जाएगा रिलीज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। देश के मूर्धन्य कलाकारों द्वारा गए गए है सकल विश्वास के राम के गाने को 11 जनवरी को सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर रिलीज किया जाएगा। जिसके लेखक यतींद्र मिश्र हैं। उक्त बातें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताई। उन्होंने बताया कि प्रभु श्री राम मंदिर के प्रथम वर्षगांठ पर जितने भी कलाकार आ रहे हैं, चाहे वह कुमार विश्वास हो, मालिनी अवस्थी हो अनुराधा पौडवाल हो या भगवान के राग सेवा में भी जो कलाकार आ रहे हैं किसी ने अपना पारिश्रमिक नहीं बताया है लेकिन ट्रस्ट उनके रहने भजन और आने–जाने की व्यवस्था अपनी तरफ से करेगा। उन्होंने बताया कि अयोध्या और अयोध्या के आसपास के आम नागरिकों को भी इस महोत्सव में शामिल करने के लिए समय–समय पर आमंत्रण लिस्ट बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि अयोध्या के लगभग अधिकतर संत महाकुंभ मेले में है लेकिन सभी से आग्रह किया जा रहा है कि अपनी सुविधा के अनुसार एक दिन का समय इस महा महोत्सव में दें।

खाद्यी एवं ग्रामोद्योग विभाग की प्रदर्शनी में 6 राज्य के उद्यमियों ने लगाए स्टाल,1.31 करोड की हुई बिक्री

संवाददाता–गोण्डा। जिले में खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का कैसरगंज सांसद करणभूषण सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया था। समापन आज डीएम नेहा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में प्रतिभाग कर रहे उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका मनोबल बढ़ाने के साथ–साथ आमजनों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया।प्रदर्शनी के समापन में मण्डल के परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि 21 दिसंबर 2024 से 4 जनवरी 2025 तक कल 15 दिनों की प्रदर्शनी अवधि में रिकॉर्ड तोड़ 1. 31 करोड़ की बिक्री हुई है।

उद्यमियों द्वारा मण्डल स्तरीय प्रदर्शनी में कुल 110 दुकाने लगायी गयी थी। जिसमें अरगा ब्राण्ड से जुड़े स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पाद के प्रदर्शन कर प्रचार–प्रसार करते हुए उत्पादों की बिक्री किया। खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित मण्डल स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के अर्न्तगत न्यूनतम पूंजी निवेश पर अधिकतम रोजगार प्रदान करने वाली इकाईयों को भी पुरस्कृत किया गया। जिसमें जनपद श्रवस्ती के जिले के जमुनहा विकासखंड के गांव अड़ाई के रहने वाले रोहित विश्वकर्मा पुत्र राज बहादुर को प्रथम पुरस्कार के रूप में 15 हजार रुपए उत्साहवर्धन के लिए दिया गया। तथा गोंडा जिले के ग्राम अकबरपुर के रहने वाले राम औतार को 12 हजार रुपए तथा गोंडा जिले के रामपुर टेंगरहा की रहने वाली श्याम कुमारी को तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की गई। इसके साथ ही सभी विजेताओं को प्रशस्ति पत्र स्मृति चिन्ह अंग वस्त्र और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रजापति समाज व माटीकला से जुड़े परम्परागत कारीगरों ने अपने द्वारा बनाये गये उत्कृष्ट उत्पादों के प्रदर्शन के लिए बहराइच जिले के गांव हमजापुरा के रहने वाले राहुल प्रजापति पुत्र सहज राम 15 हजार गोंडा जिले की गाड़ी बाजार की रहने वाली सुनीता पत्नी पूजा राम को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 12 हजार, बहराइच जिले के विश्वनाथ को 10 हजार का पुरस्कार दिया गया।

तीसरी बार कोटेदार संघ अध्यक्ष बने उमेश

संवाददाता–बहराइच। नवाबगंज ब्लॉक कोटेदार संघ चुनाव के अध्यक्ष पद पर उमेश कुमार गुप्ता तीसरी बार निर्वाचित हुए। रविवार को हुए चुनाव में कुल 76 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में उमेश कुमार गुप्ता को 52 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी राम गोपाल वर्मा को 24 मत मिले। उमेश कुमार गुप्ता ने 28 मतों से राम गोपाल को पराजित कर तीसरी बार नवाबगंज ब्लॉक के कोटेदार संघ अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी कोहली तिवारी, कमला प्रसाद, नसीम प्रधान, सुरेंद्र शुक्ला, प्रह्लाद वर्मा की देखरेख में चुनाव हुआ। इस दौरान कोटेदार पुत्तन खां, असफाक रसूल, अवधेश सिंह, शिव जी सिंह, भानु सिंह,अखिलेश पांडेय, वेद प्रकाश, राजेश महराज राम गोपाल आर्या आदि मौजूद रहे।

नोटिस के बाद भी नहीं हटा अतिक्रमण, चला बुलडोजर

संवाददाता–श्रावस्ती। नोटिस देने के बाद भी सरकारी जमीन से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। एक सप्ताह का समय दिया गया था। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी लगाकर खुद अवैध अतिक्रमण कर बने मकान को ढहा दिया। जमुनहा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरदत्त नगर गिरंट के मजरा बड़घरपुरवा में सरकारी जमीन पर एक व्यक्ति की ओर से अतिक्रमण किया गया था।

व्यक्ति ने सरकारी जमीन पर टीनशेड आदि बनाकर कब्जा कर रखा था जिसकी शिकायत लोगों ने राजस्व विभाग से की थी। प्रशासन ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए कुछ दिन पहले मौके की जांच कर अतिक्रमणकारी को अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया और नोटिस जारी की गई थी। राजस्व प्रशासन की ओर से दिए गए समय में अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इस पर शनिवार को जमुनहा तहसीलदार विपुल सिंह, नायब तहसीलदार शुभम तिवारी, कानूनगो राम किशुन थापा व लेखपाल सुनील कुमार मिश्रा जेसीबी मशीन के साथ बड़घरपुरवा गांव पहुंचे। इस दौरान प्रशासन की ओर से सरकारी जमीन पर बने आधे टीनशेड मकान को बुलडोजर से ढहाते हुए जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। साथ ही दोबारा अवैध कब्जा न करने की हिदायत भी दी।

दो दिन पहले भी छांगुर ने की थी आत्महत्या की कोशिश

संवाददाता–श्रावस्ती। अमरहवा गांव में शनिवार को हुई महिला की हत्या व हत्यारोपी के फांसी लगाकर जान देने के मामले में नई कहानी निकल कर सामने आई है। हत्या के दो दिन पहले भी हत्यारोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी लेकिन जानकारी होने पर ग्रामीणों ने समझा बुझा कर उसकी जान बचा ली थी।

कोतवाली क्षेत्र भिनगा के अमरहवा गांव निवासी संगीता सोनी (38) की इसी गांव निवासी छांगुर (42) ने कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी थी। साथ ही हत्या करने के बाद उसने खुद भी फांसी के फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार देर रात संगीता का शव घर ले जाया गया और अंतिम संस्कार कर दिया गया। दो मौतों के इस मामले में हत्या व आत्महत्या के कई तथ्य सामने आए हैं। बताया जाता है कि जनवरी 2022 में छांगुर की पत्नी रामा देवी की नाले में डूब कर मौत हो गई थी। उसके न तो माता– पिता थे और न ही कोई बच्चे। एक भाई था जिससे उसकी नहीं बनती थी। पत्नी की मौत के बाद छांगुर बेसहारा हो गया था। इस दौरान संगीता के पति राजू से उसकी दोस्ती हो गई। तब राजू व उसकी पत्नी उसे खाना खिला दिया करते थे। राजू व उसकी पत्नी भोजन व खर्चा देते रहें इस उम्मीद में 2023 में छांगुर ने अपने हिस्से की डेढ़ बीघा जमीन व घर राजू के नाम कर दिया। इसके बाद वह राजू के घर ही खाना खाता रहा। कुछ महीने पहले छांगुर मुंबई कमाने गया था। 24 दिसम्बर को घर लौटा तो राजू के घर से उसे खाना मिलना बंद हो गया। इस पर छांगुर अपनी जमीन वापस करने का दबाव बनाने लगा और इसी बात को लेकर दोनों में विवाद शुरू हो गया। हत्या के दो दिन पहले वह विवाद से क्षुब्ध होकर आत्महत्या करने जा रहा था। इसके लिए उसने पेड़ में रस्सी का फंदा भी डाल लिया था लेकिन कुछ लोगों की नजर पड़ गई तो वह छांगुर को समझा बुझा कर वापस ले आए। जबकि रस्सी वहीं पेड़ से लटकती रही। शनिवार को संगीता की हत्या करने के बाद छांगुर ने उसी रस्सी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली।

बताया जाता है कि छांगुर ने केवल संगीता की ही नहीं उसके पति राजू की भी हत्या करने की योजना बनाई थी। जिस दिन वह आत्महत्या करने गया था और लोग उसे वापस ले आए थे। उसके बाद छांगुर ने संगीता व उसके पति राजू की हत्या करने की ठान ली। उसने उसी दिन कुल्हाड़ी में धार भी लगाई। शनिवार को वह पति –पत्नी दोनों को मारने गया था। गनीमत रही कि छांगुर के पहुंचने से पहले ही राजू घर से निकल गया था। इस दौरान घर पर अकेली संगीता ही मिली। जिसकी उसने कुल्हाड़ी से हमलाकर कर हत्या कर दी और राजू बच गया। इसके बाद छांगुर ने खुद भी फांसी के फंदे से लटक कर जान दे दी।

कोहरे की मार व गलन भरी ठंड ने किया बेहाल

संवाददाता–श्रावस्ती। घने कोहरे के चलते रविवार को नागरिकों को कड़ाके की ठंड से ठिठुरना पड़ा। सुबह होने के साथ ही जहां लोगों को घने कोहरे का सामना करना पड़ा, वहीं गलन भरी ठंड से लोग जूझते नजर आए। कोहरे के बीच वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही। कोहरे का प्रकोप व गलन भरी ठंड के साथ लगातार गिर रहे तापमान ने आम जनजीवन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रविवार को सुबह कोहरा छाया रहा। वहीं दिनभर धुंध बनी रही। कोहरे के चलते जहां वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई वहीं कड़ाके की ठंड ने लोगों को बेहाल कर दिया। बढ़ रही ठंड ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है। जरूरी काम पड़ने पर घर से बाहर निकले लोग भी कड़ाके की ठंड से बचाव का जुगाड़ करते दिख रहे हैं। रविवार को भी तापमान का पारा 18 से ऊपर नहीं गया। पिछले छह दिनों से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। चल रही पछुआ हवाओं ने लोगों को ठिठुरने पर विवश कर दिया है। कंपकंपाती ठंड में किसी तरह से गर्म कपड़े आदि पहनकर लोग घरों से बाहर जरूरी काम निपटाने को निकल रहे हैं। काम न होने पर लोग घरों में दुबकने को मजबूर रहते हैं। सुबह और शाम घने कोहरे का प्रकोप बना रहता है। कोहरा बूंद बनकर कर बरसता है जिससे सुबह सड़कें भीगी दिखाई देती हैं। रविवार को ठंड के बीच जगह जगह लोग अलाव सेंकते नजर आए। तीन बजे के बाद मौसम साफ हुआ और धूप का आसार तो दिखा खुलकर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। इससे ठंड का भी आसर कम नहीं हुआ और लोगों को राहत नहीं मिली। शाम पांच बजते ही एकबार फिर लोगों के गलनभरी ठंड का सामना करना पड़ा। ठंड व बारिश से बचाव के लिए गिलौला विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत दिकौली में भिनगा बहराइच फोरलेन के किनारे दिकौली चौराहे पर रैन बसेरा बना हुआ है। लेकिन यह रैन बसेरा चारों ओर से खुला है। ठंड में चारो ओर न तो तिरपाल लगाया गया है और न ही मौके पर अलाव की व्यवस्था की गई। डीएम का निर्देश है कि सभी रैन बसेरों को व्यवस्थित रखा जाय जिससे जरूरत पर लोगों को ठहरने की व्यवस्था हो व उन्हें ठंड से बचाया जा सके। लेकिन दिकौली चौराहे पर बना रैन बसेरा जिम्मेदारों की उपेक्षा का दंश झेल रहा है। रात में यहां कोई ठहरना चाहे तो उसके लिए कोई भी व्यवस्था नहीं है। न तो प्रशासन न और न ही प्रधान ने कोई इंतजाम किए हैं। चारो ओर से खुला यह रैन बसेरा बदइंतजामी के चलते लोगों को रास नहीं आ रहा है। लोगों ने प्रशासन से ध्यान दिए जाने की मांग की है। बढ़ती ठंड से रबी फसलों को फायदा और नुकसान दोनों है। एक ओर इससे गेहूं की फसल को फायदा है तो दूसरी ओर आलू, टमाटर, सरसों आदि फसलों को नुकसान की भी संभावना है। जिला कृषि अधिकारी अनिल प्रसाद मिश्र ने बताया कि ठंड जितनी अधिक पड़ेगी गेहूं की फसल को उतना ही लाभ होगा। इससे गेहूं के उत्पादन में भी वृद्धि होगी। लेकिन अधिक ठंड पड़ने से आलू, टमाटर, सरसों आदि फसल में पाला का प्रकोप हो सकता है। इससे फसल झुलसा रोग से ग्रसित हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि घने कोहरे व धूप न निकलने से सभी फसलें प्रभावित होती हैं। प्रकाश संश्लेषण की क्रिया सही रूप में नहीं हो पाती है। जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में भोजन नहीं मिल पाता। उन्होंने बताया कि अधिक ठंड से तिलहन की फसलें सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। किसानों को नियमित फसल की निगरानी करनी चाहिए और किसी भी प्रकार के रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए।

हाईवे के किनारे आवास और व्यावसायिक प्लाट का सपना होगा पूरा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में आवासीय व व्यावसायिक प्लाट चाहने वालों का सपना जल्द ही पूरा होगा। प्राधिकरण, अगले सप्ताह दोनों ही तरह के प्लाटों के लिए पंजीकरण शुरू करेगा। इसे लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। बहुप्रतीक्षित कालेसर योजना के तहत पहले चरण में 35 व्यावसायिक प्लाट के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

दूसरे चरण में आवासीय और बचे हुए व्यावसायिक प्लाट के लिए आवेदन मांगे जाएंगे। गीडा के सेक्टर 23 में जमीन को लेकर चला आ रहा पेंच सुलझने के बाद प्राधिकरण वहां भी 45 आवासीय प्लाट के लिए पंजीकरण शुरू करेगा। इसके लिए भी अगले सप्ताह आवेदन मांगे जाएंगे।

गीडा में कालेसर–जगदीशपुर फोरलेन के किनारे कालेसर में व्यावसायिक एवं आवासीय प्लाटों की योजना लांच की गई है। लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस योजना को लांच किया था।

यहां लगभग 350 आवासीय भूखंड निकाले जाने थे। इसके साथ ही व्यावसायिक प्लाट निकालने की भी योजना थी। लेकिन, पहले रेरा से अनुमोदन के इंतजार में इस परियोजना में देरी हुई। उसके बाद विकास कार्यों के कारण आवेदन निकालने में कुछ और विलंब हुआ। प्राधिकरण से मिली जानकारी के अनुसार कालेसर योजना की शुरूआत व्यावसायिक प्लाटों से होगी। अगले सप्ताह बड़े आकार के 35 प्लाटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। ये प्लाट ई नीलामी के जरिये उपलब्ध होंगे। इसके लगभग 15 दिन बाद आवासीय प्लाटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। सभी आवासीय भूखंडों के लिए एक साथ आवेदन निकालने की योजना नहीं है। पहले लगभग 250 प्लाट उपलब्ध होंगे।

कालेसर से पहले गीडा प्रबंधन सेक्टर 23 में एक पुरानी जमीन पर प्लाटिंग कर रहा है। यहां विभिन्न आकार के 45 प्लाट उपलब्ध कराए जाएंगे। कालेसर के व्यावसायिक प्लाटों के साथ ही इन आवासीय प्लाटों के लिए भी आवेदन आमंत्रित करने की तैयारी है। उसके बाद कालेसर में आवासीय प्लाट लोगों के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे।

गीडा सीईओ अनुज मलिक ने बताया कि अगले सप्ताह कालेसर में व्यावसायिक व सेक्टर 23 में आवासीय प्लाटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इन आवेदनों के लगभग 15 दिन बाद कालेसर में आवासीय प्लाटों के लिए आवेदन निकाले जाएंगे।

सपा कार्यालय पर स्वागत नहीं करने पर हंगामा, हुई धक्का-मुक्की, वीडियो भी वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। रविवार को सपा कार्यालय पर ग्रामीण विधान सभा के पदाधिकारियों की बैठक थी। इस दौरान पार्टी में नई सदस्यता लेने वाले पदाधिकारी पार्टी कार्यालय पहुंचे। पदाधिकारी बनने के बाद पहली बार पहुंचने पर उनका बाहर निकलकर स्वागत नहीं किया गया तो नेता और उनके साथ आए लोग नाराज हो गए।

पार्टी कार्यालय पर जाकर हंगामा करने लगे। थोड़ी देर तक धक्का मुक्की चली, फिर वहां मौजूद वरिष्ट नेताओं ने समझाकर मामला शांत करवा दिया। धक्का मुक्की का वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसकी अभर उजाला पुष्टी नहीं करता है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि एक पदाधिकारी पार्टी कार्यालय के अंदर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे थे। इसी बीच हाल में नवनिर्वाचित प्रदेश पदाधिकारी भी अपने समर्थकों के साथ पहुंच गए। पार्टी के लोगों ने बताया कि उनके साथ 40 से 50 की संख्या में उनके समर्थक भी थे।

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को लेकर पार्टी कार्यालय में प्रवेश किए। इस दौरान माला पहने जाने की किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस होने लगी। बात धक्का मुक्की तक पहुंच गई। दोनों पक्षों के समर्थक एक दूसरे समझाते और हल्ला हंगामा करते सड़क पर आ गए। इस दौरान विवाद सड़क पर आने से थोड़ी देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल मच गया। किसी तरह मामले को शांत करवाया गया। बताया जाता है कि मामले को लेकर एक पक्ष थाने पर भी पहुंच गया था।

ब्रह्मभोज में कुर्सी पर बैठने को लेकर हुई बहस-शराब की दुकान पर हो गई मारपीट- दो गंभीर घायल

संवाददाता–गोरखपुर। लरिहा क्षेत्र के बरगदही टोला महरीन निवासी राजन निषाद के पिता का ब्रह्मभोज शनिवार को था। राजन के चचेरा साला धर्मेंद्र निषाद भी कार्यक्रम में शामिल होने आया था। इसी दौरान बरगदही के दूसरे टोले सिंहोरवा निवासी प्रॉपर्टी डीलर अनिल निषाद और उसके तीन–चार साथी भी ब्रह्मभोज में शामिल होने आए थे। बताया जा रहा है कि कुर्सी पर बैठने को लेकर आपस में कहासुनी हुई। इसके बाद आरोपी तिराहे पर स्थित दुकान पर देसी शराब पीने चले गए। थोड़ी देर बाद धर्मेंद्र निषाद, बरगदही केवटान निवासी बहादुर निषाद के साथ दुकान के पास पहुंचा। वहां दूसरे पक्ष के लोग देखकर विवाद करने लगे। दोनों पक्षों में कहासुनी के दौरान अनिल निषाद के साथ आए युवकों ने पास में रखे ईंट से धर्मेंद्र और बहादुर पर जानलेवा हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि धर्मेंद्र के दो बच्चे हैं। पत्नी गर्भवती है।

दिव्यांग आज बनवाएं प्रमाण पत्र

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सोमवार को जिला अस्पताल के टीबी क्लीनिक में दिव्यांगों के लिए प्रमाण पत्र बनवाने का शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर के माध्यम से दिव्यांग व्यक्ति कई योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। दिव्यांगों के पास बहु उद्देशीय प्रमाण पत्र बनवाने का मौका है। सोमवार को जिला अस्पताल के टीबी क्लीनिक में आयोजित शिविर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनेगा। स्वास्थ्य विभाग के शिविर में प्रमाण पत्र बनवा दिव्यांग कई योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

एक प्रदेश एक बैंक से राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक का मार्ग होगा प्रशस्त

संवाददाता–गोरखपुर। बड़ौदा यूपी बैंक सेवनिवृत्त कार्मिक समिति की प्रथम आमसभा की बैठक में कर्मचारियों के वेतन विसंगति से लेकर सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। जिला पंचायत सभागार में आयोजित आम सभा में इकाई अध्यक्ष केके श्रीवास्तव ने कहा कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रयास से एक प्रदेश एक बैंक को मूर्त रुप दिया जा रहा है। इससे भविष्य में राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। अध्यक्ष ने कहा कि बैंक कर्मियों की हर समस्या का समाधान होगा। महामंत्री अजीत मेहरोत्रा और कामरेड प्रहलाद दूबे ने कम्प्यूटर इंक्रीमेन्ट, एकपेंशी तथा पेंशन ऐरियर के विसंगतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आश्वस्त किया कि सभी साथियों को एक वेतन वृद्धि का लाभ अवश्य मिलेगा। इस दौरान दिनेश चन्द्र गुप्ता, कैलाश सिंह और राम सिंह यादव आदि ने स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम को वर्किंग स्टाफ के साथ मिलाकर निर्धारित करने की मांग की। आम सभा की अध्यक्षता आरके पाण्डेय और संचालन जेएन त्रिपाठी द्वारा किया गया। महामंत्री राम चन्द्र विनायक ने आभार ज्ञापित किया।

जन्मभूमि पर बनेगा भव्य योग भवन, संजोई जाएंगी परमहंस योगानंद की यादें

संवाददाता–गोरखपुर। पूरी दुनिया को योग का पाठ पढ़ाने वाले परमहंस योगानंद की जन्मस्थली पर उनकी बचपन की यादें संजोने की तैयारी पूरी हो चुकी है। कोतवाली से सटे एक संकरी गली में उनके जन्मस्थान की भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। वहां योग भवन के निर्माण का खाका तैयार हो चुका है। भूमि तल सहित चार तल के भवन के निर्माण के लिए 31 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी शासन से प्राप्त हो गई है। फरवरी के पहले सप्ताह से निर्माण कार्य शुरू कर देने की पर्यटन विभाग की तैयारी है। भवन के निर्माण की कार्ययोजना के मुताबिक जन्मस्थली पर बनाए जाने वाले चार मंजिला भवन की हर मंजिल पर अलग–अलग तरीके से योगानंद की यादें संजोयी जाएंगी। भूमि तल के बाहर हिस्से एक लान विकसित किया जाएगा, जिसमें योगानंद की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। पहले तल पर एक संग्रहालय और पुस्तकालय बनाया जाएगा, जिसमें योगानंद के अलग–अलग मुद्रा में चित्रों को अवलोकनार्थ सजाया जाएगा। उनसे जुड़े बहुमूल्य सामानों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। दूसरा तल आध्यात्मिक दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगा। इसमें उस स्थान को मंदिर का स्वरूप दिया जाएगा, जहां आज से आज से 131 वर्ष पहले पांच जनवरी को क्रिया योग के प्रणेता

योगानंद जी का जन्म हुआ था। मंदिर के सामने केंद्र का दूसरा योग सेंटर बनाया जाएगा, जिसमें बैठकर योगानंद की शिष्य परंपरा के लोग योग व ध्यान कर सकेंगे। तीसरे और अंतिम तल पर दो हाल बनाए जाएंगे, जिसमें योगाभ्यास करने का इंतजाम रहेगा। ध्यान के लिए अगल से स्थान निर्धारित रहेगा। योग भवन का निर्माण 1360 वर्गमीटर में कराए जाना है। निर्धारित जमीन के अधिग्रहण में कुछ 19 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। मानक पर स्मृति भवन निर्माण के लिए कुछ जमीन प्रशासन ने निश्शुल्क उपलब्ध कराई है। विदेश में परमहंस योगानंद के शिष्य व भक्त बड़ी संख्या में हैं। जन्मस्थली होने की वजह से बहुत से समय–समय पर योगरपुर भी आते थे लेकिन यहां उनकी जन्मस्थली पर किसी तरह की विशेष व्यवस्था न देख दुखी हो जाते थे और इसे अध्यात्म केंद्र के रूप में विकसित करने का अनुरोध करते थे। उनकी मांग विभिन्न माध्यमों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंची तो उन्होंने इसे गंभीरता लेते हुए योगानंद की जन्मस्थली को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का न केवल निर्णय ले लिया बल्कि इसकी जिम्मेदारी पर्यटन विभाग को सौंप दी। पर्यटन विभाग ने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जन्मस्थली पर योग भवन बनाने की कार्ययोजना तैयार ली, जो जल्द ही रातल पर दिखेगी। पर्यटन विभाग इस योजना को लेकर काफी उत्साहित है क्योंकि इसके जरिये जिले के विदेशी पर्यटकों की संख्या में तेजी से बढ़ेगी। विभाग को इससे 10 गुणा हो जाने की उम्मीद है। विभाग के अनुसार, अभी तक वर्ष में अधिकतम हजार से पंद्रह सौ विदेशी पर्यटक ही गोरखपुर आते हैं।योगानंद की जन्मस्थली पर अध्यात्म केंद्र बन जाने से दुनिया भर में फैले उनके शिष्यों व भक्तों को एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल मिल जाएगा। उप निदेशक विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़कर 10 से 15 हजार पहुंच जाने की उम्मीद जता रहे हैं।

पछुआ से धूप हुई बेअसर, कोहरे का बढ़ा कहर

संवाददाता–गोरखपुर। पछुआ हवा पहाड़ों की ठंड गोरखपुर सहित समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहुंचा रही है। धूप को बेअसर कर तापमान गिरा रही है। इससे गलन बढ़ गई है। ठंड को कोहरे का भी साथ मिल रहा है, जिसके चलते रिकार्ड तापमान से अधिक ठंड महसूस हो रही है। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय इसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना बता रहे हैं और एक नए विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते सिलसिले के जारी रहने के पूर्वानुमान जता रहे हैं।

मौसम विज्ञानी के मुताबिक अफगानिस्तान व पाकिस्तान के ऊपर बना नया पश्चिमी विक्षोभ हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड तक पहुंच चुका है और तिब्बत की ओर बढ़ रहा है। यह वायुमंडलीय परिस्थिति आने वाले दिनों गोरखपुर और आसपास के जिलों का तापमान और गिराने के साथ कोहरे का कहर बढ़ाएगी।

शनिवार को 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़केगा। न्यूनतम तापमान का आंकड़ा भी छह डिग्री सेल्सियस के आसपास आ जाएगा, जो शनिवार को 8.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञानी के अनुसार आने वाले दो से चार दिन में या तो शीत दिवस या फिर शीत लहर के प्रभाव में रहेंगे। कोहरा के कारण दिल्ली दूर हो गई है। शनिवार को मौसम की मार के चलते दिल्ली रूट की आधा दर्जन ट्रेनें घंटों विलंब से चलीं। वहीं, दिल्ली में मौसम खराब होने के कारण इंडिगो की एक उड़ान रद करनी पड़ी। यह विमान दोपहर 2रू20 बजे दिल्ली से उड़ान भरकर अपराह्न 3रू45 बजे गोरखपुर पहुंचने वाला था। इस उड़ान में दिल्ली से 121 यात्रियों को गोरखपुर आना था, जबकि गोरखपुर से 127 यात्रियों को दिल्ली जाना था। लेकिन, विमान दिल्ली से आ ही नहीं सका।

इसके चलते दोनों ओर के यात्रियों को निराश होना पड़ा। दूसरी ओर, शनिवार को तो गोरखधाम और वैशाली सहित दिल्ली रूट की आधा दर्जन ट्रेनें विलंबित हुईं। गोरखधाम एक्सप्रेस 13 घंटे तो वैशाली सुपरफास्ट आठ घंटे लेट हुई। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय के मुताबिक आने वाले दिनों गोरखपुर और आसपास के जिलों का तापमान और गिरेगा। कोहरा और बढ़ेगा। आने वाले दो से चार दिन या तो शीत दिवस या फिर शीत लहर के प्रभाव में रहेंगे।

बीटेक पास चोर ने ओएलएक्स पर बेचे चोरी के 55 मोबाइल फोन, मौज-मस्ती के चक्कर में पहुंचे जेल

संवाददाता–गोरखपुर। जीआरपी (राजकीय रेलवे पुलिस) ने शनिवार को तीन शातिर मोबाइल चोरों को पकड़ा, ये ट्रेन और प्लेटफार्म पर यात्रियों के महंगे मोबाइल फोन उड़ाने के बाद इसे ओएलएक्स पर बेचते थे। रेलवे स्टेशन के गेट नंबर पांच के पास पकड़े गए आरोपितों के कब्जे से चोरी के सात मोबाइल फोन बरामद हुए, जिसकी कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई जा रही है। पूछताछ व जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना बीटेक पास है, जो फर्जी कागजात बनाकर चार माह में चोरी के 55 मोबाइल फोन बेच चुका है। जीआरपी थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि इन तीनों की पहचान तिवारीपुर के बड़े काजीपुर मोहल्ले में रहने वाले करन वर्मा, सागर कुशवाहा और अलवापुर के अनिल कुमार के रूप में हुई है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड बीटेक की पढ़ाई करने वाला करन वर्मा जो चोरी के मोबाइल फोन को ओएलएक्स पर बेचकर अच्छी खासी रकम कमा रहा था।

पूछताछ व जांच में यह सामने आया कि करन ने ओएलएक्स पर अब तक चोरी के 55 मोबाइल फोन बेचे हैं, जिनमें से चार मोबाइल बरामद किया गया है। तीन से चार हजार रुपये में करन चोरी का मोबाइल फोन खरीदता था जिसका फर्जी रसीद बनाकर ओएलएक्स पर 10 से 11 हजार रुपये में बेच देता था। पुलिस पूछताछ में करन ने खुलासा किया कि कैंट क्षेत्र में उसकी कपड़ों की दुकान है, जहां उसका साथी सागर कुशवाहा काम करता है। करन ने बताया कि वह अपने साथी सागर के साथ मिलकर अनिल भारती से चोरी के मोबाइल फोन खरीदता था। उसने यह भी बताया कि सितंबर 2024 से इस धंधे में संलिप्त था। करन के पास मोबाइल रिपेयरिंग का कौशल भी था, जिससे वह चोरी के फोन को सही करके बेचता था। यह सब जानकर इंस्पेक्टर विजय कुमार ने बताया कि इन चोरों का मुख्य उद्देश्य चोरी से मिले पैसे से मौज मस्ती करना था। खासकर करन, जो सबसे ज्यादा पढ़ा–लिखा था, उसने यह काम किया था ताकि वह अपनी महिला मित्र के साथ घूमने फिरने में पैसे खर्च कर सके। चोरी किए गए मोबाइलों को बेचने के बाद मिले रुपये को आरोपित आपस में बांटने के साथ ही अपने खर्च पूरे करते थे।

बखिरा पक्षी विहार विदेशी मेहमान पक्षियों से है गुलजार

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले का बखिरा पक्षी विहार देशी व विदेशी पक्षियों को खूब रास आता है। इसमें मौसम के हिसाब से अलग–अलग मौसम में दर्जनों प्रजातियां पाई जाती हैं। ठंड का सीजन आने पर यह पक्षी विहार प्रवासी पक्षियों को खूब रास आता है। इन दिनों बहुतायत साइबेरियन पक्षी किलोल कर रहे हैं। यहां आने वाले मेहमान पक्षी सभी के लिए आकर्षण का केन्द्र हैं। हालांकि इनकी सुरक्षा प्रशासन के लिए चुनौती है। क्योंकि शिकारी आए दिन इनका शिकार करते रहते हैं। जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर उत्तर तरफ खलीलाबाद–मेंहदावल मार्ग पर स्थित बखिरा कस्बा है। वहां से तीन किलोमीटर पूरब 28 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में बखिरा झील फैली हुई है। इन दिनों इस झील को वैसे मोती झील के नाम से भी जाना जाता है। इस यह झील दो जिले से होकर गुजरी है। जिसमें आधी संतकबीरनगर व आधी गोरखपुर जिले में पड़ती है। यहां पर ठंड के मौसम में विदेशी पक्षी आते हैं। जैसे ही ठंडक कम होती है वैसे ही ये मेहमान अपने घरों को चले जाते हैं। वर्ष 2022 में इस झील में 50 हजार पक्षी आए थे। लेकिन इस वर्ष इनकी संख्या अभी कम है। हालांकि अभी गिनती नहीं हुई है। नवंबर से फरवरी माह तक ये झील प्रवासी पक्षियों के लिए पनाहगाह बन जाती है। पक्षियों की चहचहाट से पूरी झील गुंजायमान हो जाती है। झील के दक्षिणी छोर पर वाच टॉवर के अलावा वन विभाग के अधिकारियों–कर्मचारियों के लिए आवास बना है। जहां से इन विदेशी मेहमानों की निगरानी की जाती है।

वर्ष 1990 में केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी करके बखिरा झील को पक्षी विहार का दर्जा दिया। लेकिन तीन दशक बीत जाने के बाद भी झील का विकास अभी तक तक नहीं हो पाया। हालांकि इन दिनों इस झील के विकास के लिए प्रशासन ने पहल शुरू कर दी है। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने झील के विकास के लिए वृहद कार्ययोजना तैयार कराते हुए शासन को प्रस्ताव भेजा है। अभी उसके स्वीकृति का इंतजार है। हालांकि कुछ काम स्थानीय स्तर पर उपलब्ध बजट से कराए भी जा रहे हैं। वैसे तो हर माह में स्थानीय स्तर पर मिलने वाली पक्षियां यहां पर रहती है। जिनमें कैमा, वाटरहेन, राईटर, कारमोंटेंट, विभिन्न प्रकार के बगुले और सारस सम्मिलित हैं। अक्टूबर माह की शुरुआत होते ही इस झील में यूरोप, साइबेरिया, तिब्बत, चीन से पक्षियों के आने का सिलसिला चालू हो जाता है। लालसर, हवासील, पोचार्ड, सुर्खाब, गोजू, सवल, पिंटेल और मूरहेन समेत अन्य प्रकार की पक्षियां पाई जाती हैं।

वैसे तो करीब 28 वर्ग किलोमीटर की एरिया में यह झील फैली हुई है। इस झील में 11 सौ हेक्टेयर भूमि किसानों की है वहीं 18 सौ हेक्टेयर भूमि सरकारी है। लेकिन जब तक पूरी जमीन सरकारी नहीं होगी तब तक इस झील का समुचित विकास नहीं हो पाएगा। इतना ही नहीं इस झील में मछुआरा समुदाय के लोग मछलियों का शिकार करके अपना जीविकोपार्जन भी करते हैं लेकिन ये मछली के शिकार के बहाने कभी कभार पक्षियों का भी शिकार करते हैं। इससे विदेशी मेहमानों के जीवन पर संकट बना रहता है। वैसे वन विभाग की चार टीमें दिन–रात झील की पेट्रोलिंग करती रहती हैं।

शौच के लिए गए युवक की गला रेतकर हत्या, झाड़ियों में मिली लाश

संवाददाता–अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में शौच के लिए घर से निकले युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शव घर से एक किलोमीटर दूर झाड़ियों में पुआल में बरामद हुआ। रंजिशन हत्या किए जाने की बात सामने आई है। मामला अहिरौली थाना क्षेत्र के रानीपुर गिरंट का है। यहां का निवासी रामाशीष (30) रविवार सुबह 7.30 बजे घर से शौच जाने की बात कहकर निकला था। एक घंटे बाद भी जब वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। एक घंटे बाद उसका शव घर से एक किलोमीटर दूर स्थित बाग की झाड़ियों के अंदर पुआल पर परिजनों ने बरामद किया। उसका गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई थी। हत्या की खबर मिलते ही एसपी केशव कुमार के साथ एएसपी विशाल पांडेय घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। एसपी ने हत्या के खुलासे के लिए तीन टीमों को गठन किया है।

पनीर–बेसन में मिलावट, तिन्नी के चावल में भी मिलावटय पाउडर से बन रहा खोया–पनीर

संवाददाता–गोरखपुर। असुरक्षित और अधोमानक मिले इन 21 नमूनों के विक्रेताओं को नोटिस भेजा जा रहा है। पक्ष सुनने के बाद इन मामलों में केस दर्ज कराया जाएगा।त्योहार से पहले ही बाजार में व्रत में खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री बढ़ जाती है। मांग बढ़ी होने का फायदा उठाने के लिए धंधेबाज भी मिलावटी सामान अधिक से अधिक मात्रा में बाजार में उतार देते हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से से सितंबर के अंतिम और अक्टूबर के पहले सप्ताह में जिले के विभिन्न हिस्सों से नमूने एकत्रित किए गए थे। खाद्य सुरक्षा विभाग से मिली रिपोर्ट के अनुसार, सहजनवां में एक रेस्टोरेंट से पनीर का जो नमूना लिया गया था, वह अधोमानक पाया गया है। इस होटल पर दिनभर भीड़ रहती है। शहर और बेलीपार की एक दुकान से लिया गया साबूदाना अधोमानक पाया गया है। तीन किराना की दुकानों से लिया गया बेसन का नमूना भी अधोमानक पाया गया है। गाय के दूध का नमूना भी अधोमानक मिला है। वहीं असुरन चौक पर एक लस्सी की दुकान से लिया गया खोया का नमूना भी अधोमानक पाया गया है। मोहद्दीपुर से बेसन, तारामंडल रोड स्थित दुकान से लिया गया साबूदाना का नमूना भी अधोमानक पाया गया है। खूनीपुर इलाके की एक फर्म से लिया गया तिन्नी के चावल का नमूना फेल हो गया है। मियां बाजार इलाके की एक फर्म से लिया गया ब्रांडेड पानी के नमूने में भी मिलावट की पुष्टि हुई है। राप्तीनगर चौराहे की एक दुकान से लिया गया पनीर का नमूना भी अधोमानक मिला है। नवरात्र में सबसे अधिक बिकने वाले साबूदाना में धंधेबाज मैदा मिला रहे हैं। वहीं, पनीर बनाने में तो पाउडर के साथ–साथ कपड़ा धोने में इस्तेमाल होने वाले एक लिक्विड का प्रयोग हो रहा है। इससे न सिर्फ उसमें चिकनाई बनी रहती है, बल्कि जांच में वह पकड़ा भी नहीं जाता।

जानकार बताते हैं कि सबसे अधिक साबूदाना की आपूर्ति तमिलनाडु से होती है। वहां कसावा की खेती होती है। शकरकंद जैसे इसके मूल को निकालकर पीसकर पेस्ट बनाया जाता है। इस पेस्ट को सुखाकर एक समान दाने बनाए जाते हैं। चूंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा अधिक होती है, इसीलिए व्रत करने वालों को इससे उर्जा मिलती है।

इसमें फाइबर की अधिकता और कैलोरी कम होने से इसके खाने से पाचन क्रिया भी ठीक रहती है। इसकी डिमांड को देखते हुए धंधेबाजों ने इसमें मैदा मिलाकर बेचना शुरू कर दिया है।सबसे अधिक पनीर–खोया में मिलावट रू जांच में सबसे अधिक मिलावट खोया और पनीर के नमूनों में मिले हैं। विभागीय सूत्र बताते हैं कि ज्यादातर पनीर में दूध की मात्रा नहीं है। इसकी जगह उसमें पाउडर मिला है। पाउडर को पनीर बनाने के लिए इसमें कपड़े धोने वाले लिक्विड को डाला जाता है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, रेकंटर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com